RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक

समाचार–पत्र

अमिट रेखा

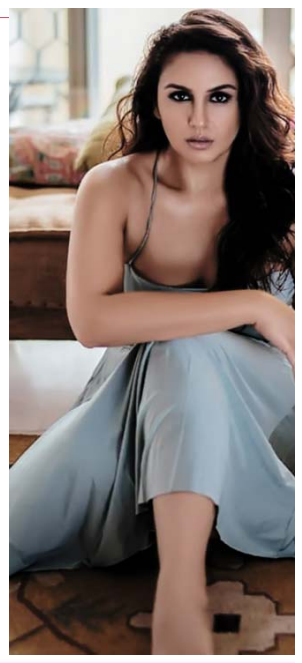

वर्ष 05 | अंक 249 | कुशीनगर | शनिवार 10 जुलाई, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये

तीसरी लहर को थामने की तैयारी!

पीएम मोदी ने दिया देश भर में 1500 ऑक्सीजन प्लांट्स लगाने का आदेश

प्रधानमंत्री के रिव्यू की अहम बातें

- ऑक्सीजन प्लांट्स को चलाने और उसके रखरखाव के लिए अस्पताल के कर्मचारियों का प्रॉपर ट्रेनिंग दी जाए, ताकि जरूरत के समय किसी भी तरह की दिक्कत से निपटा जा सके।
- इस्तेमाल किए जाने वाले ऑक्सीजन प्लांट्स की परफॉर्मेंस और फंक्शनिंग को ट्रैक करने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी IoT जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

तीसरी लहर की आशंका के बीच मीटिंग

पीएम मोदी की यह हाईलेवल मीटिंग देश में तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच हुई। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगस्त–सितंबर में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है। ऐसे में सरकार देश में दवाओं और ऑक्सीजन जैसे जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में जुट गई है।

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देश में मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हाईलेवल मीटिंग की और 1,500 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने का आदेश दिया। इन प्लांट्स को देश भर के अलग–अलग हिस्सों में स्थापित किया जाएगा। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में अधिकारियों से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि ये जल्दी से जल्दी काम करना सुनिश्चित कर दें। इसके साथ ही मीटिंग में पीएम मोदी ने हॉस्पिटल स्टाफ को ऑक्सीजन प्लांट के संचालन और रखरखाव के लिए जरूरी ट्रेनिंग दिए जाने पर भी जोर दिया। इन ऑक्सीजन प्लांट्स की फंडिंग पीएम केयर्स फंड से की जाएगी। इससे देश में 4 लाख ऑक्सीजन बेड तैयार करने में मदद मिलेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस अहम मीटिंग में कहा कि हर जिले में ऐसे कुछ लोग होने चाहिए, जिन्हें ऑक्सीजन प्लांट्स के संचालन और रखरखाव के लिहाज से ट्रेनिंग दी जाए। भारत में मार्च से लेकर मई तक चली कोरोना की दूसरी लहर में बड़े पैमाने पर कोरोना के केस मिले थे। यही नहीं पहली लहर के मुकाबले इस बार ऑक्सीजन की कमी के मामले बहुत ज्यादा देखने को मिले थे। वहीं मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु समेत देश के तमाम शहरों में मेडिकल ऑक्सीजन, वेंटिलेटर बेड्स आदि तक की कमी पड़ गई थी। अधिकारियों को च्ड ने दिया राज्य सरकारों संग काम का आदेश इसके चलते सरकार को भी काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। शायद यही वजह है कि तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच पीएम मोदी ने यह मीटिंग की है और जल्दी से जल्दी ऑक्सीजन प्लांट्स स्थापित करने का आदेश दिया है। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में कहा कि केंद्र सरकार के अधिकारियों को राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए और यह तय करना चाहिए कि अस्पतालों के स्टाफ की सही ट्रेनिंग हो सके। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकारों को नई तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर ऑक्सीजन प्लांट्स के कामकाज की मॉनिटरिंग की जा सके। देश से और खत्म होंगे समाज में झगड़े.. हाई कोर्ट ने बताई कॉमन सिविल कोड की जरूरत, केंद्र को दिया कदम उठाने का आदेश कैबिनेट फेरबदल के बाद च्ड मोदी की कोरोना पर पहली मीटिंग इस मीटिंग के दौरान अधिकारियों ने पीएम नरेंद्र मोदी को बताया कि उनका देश भर में 8,000 लोगों को ट्रेनिंग देने का टारगेट है। कैबिनेट के फेरबदल और विस्तार के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से कोरोना को लेकर यह पहली हाई लेवल मीटिंग थी। बता दें कि कैबिनेट फेरबदल के तहत हेल्थ मिनिस्टर डॉ. हर्षवर्धन को हटा दिया गया है और यह जिम्मेदारी अब मनसुख मांडविया को दी गई है।

गोरखपुर–बस्ती मंडल के सात जिलों में ब्लॉक प्रमुख की 99 सीटों पर गुरुवार को नामांकन हुआ। इस दौरान गोरखपुर और बस्ती में कुछ स्थानों पर लाठीचार्ज, पथराव, मारपीट व फायरिंग हुई। नामांकन और पर्चों की जांच के बाद 32 स्थानों पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। इसमें 30 भाजपा, एक सीट सपा और एक सीट निर्दल को जाना पक्का है।

सुरक्षा बलों तथा आतंकवादियों के बीच हुआ मुठभेड़

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिला में सुरक्षा बलों तथा आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुयी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार , कुलगाम के रेडवानी गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता सूचना के आधार राष्ट्रीय राइफल, प्रदेश पुलिस के विशेष अभियान दल तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने तड़के घेराबंदी तथा तलाश अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों के जवान जब गांव में एक निश्चित क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाई और मुठभेड़ शुरू हो गयी। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेज दिया गया है। इस बीच गांव की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक अभियान जारी था। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कश्मीर में पिछले 36 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों का यह तीसरा अभियान है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया है।

जदयू में होगी टूट, राज्य में मध्यावधि चुनाव तय: चिराग

बेगूसराय,(एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में दो गुट बनने के बाद आशीर्वाद यात्रा पर निकले सांसद चिराग पासवान बेगूसराय पहुंचे। उन्होंने यहां एक बार फिर दावा करते हुए कहा कि बिहार में मध्यावधि चुनाव होंगे तथा जदयू में टूट तय है। बेगूसराय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र मंत्रिमंडल विस्तार में भी अपनों को धोखा दे दिया। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान की हैसियत कम करने के लिए वे अपनों को ध ोखा दिया और सिर्फ आर सी पी सिंह को मंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार, लालू प्रसाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक को धोखा दे चुके हैं। बेगूसराय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं के स्वागत से उत्साहित चिराग ने कहा कि जदयू के कई विधायक आज असंतुष्ट है और पार्टी छोडने को तैयार हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि जदयू में टूट तय है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में मध्यावधि चुनाव तय है। राजद से गठंबधन के संबंध में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अभी चुनाव नहीं है, जब चुनाव होगा तब देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि चिराग अपनी आशीर्वाद यात्रा की शुरुआत पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की कर्मभूमि हाजीपुर से प्रारंभ की है।

अयोध्या में बड़ा हादसा

स्नान करते समय एक ही परिवार के 12 लोग डूबे, पुलिस व पीएसी के गोताखोर लगाए गए

अयोध्या,(एजेंसी)। अयोध्या में शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। एक ही परिवार के 12 लोग सरयू में स्नान करते समय डूब गए। सभी की खोजबीन में पुलिस और पीएसी के गोताखोरों को लगाया गया है। सीएम योगी ने भी घटना का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया है। हादसा गुप्तार घाट पर हुआ है। हादसे का शिकार परिवार आगरा के सिकंदराबाद से अयोध्या घूमने आया था। सरयू में डूबे लोगों को बचाने के लिए अधिकारियों की टीम बचाव कार्य में लगी है। बताया जाता है कि स्नान के दौरान तेज धारा के कारण पहले दो लोग बहे। इसके बाद एक दूसरे को बचाने के चक्कर में 12 लोग बह गए। लोगों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस प्रशासन को मामले की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही खलबली मच गई। अधिकारियों का दल मौके पर पहुंच गया।

गोताखोरों को तत्काल सरयू में उतारा गया। पीएसी के गोताखोरों को भी बुलाया गया है। एनडीआरएफ को भी बुलाने की बात कही जा रही है। घाट किनारे बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासन के लोग पहुंच गए हैं। फिलहाल बहे लोगों में से किसी के बारे में पता नहीं चल सका है। पंचायत चुनाव हिंसा को लेकर मायावती का तंज–अब कहां गया सपा का हल्ल्लाबोल मेरठ में लाइन हाजिर पुलिसकर्मियों का टाइम टेबल जारी, नहीं कर सकेंगे मनमानी लाइन हाजिर पुलिसकर्मियों का टाइम टेबल जारी, नहीं कर सकेंगे मनमानी बताया जा रहा है कि परिवार के 15 लोग स्नान कर रहे थे। इसमें से तीन तैरकर बच गए हैं। बचे लोगों की हालत भी बदहवास की तरह है। फिलहाल आसपास के मल्लाहों और केवटों को लगाया गया है। एसएसपी सर्वेश पांडेय खुद नाव पर बैठकर मौके का मुआयना कर रहे हैं। वहां मौजूद लोगों से बातचीत कर रही है।

मां की हत्या कर किए कई टुकड़े बेटे को मिली सजा–ए–मौत

कोल्हापुर,(एजेंसी)। मां की हत्या कर उसके शव के टुकड़े–टुकड़े कर खाने के दोषी को अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। कोल्हापुर की सेशन कोर्ट ने दोषी को यह सजा सुनाई। जानकारी के अनुसार दोषी शख्स ने अपनी शराब के लिए पैसे न देने पर मां की हत्या कर दी थी। यही नहीं उसके बाद मां के शव के कई टुकड़े किए और उसे खा भी लिया था। ऐसे कलयुगी बेटे को अदालत ने सजा–ए–मौत का ऐलान किया है। हालांकि अभी इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। अतिरिक्त सेशन जज महेश कृष्णाजी जाधव ने 35 साल के सुनील राम कुचकोरवि को आईपीसी की धारा 302 के तहत मां की हत्या का दोषी करार दिया। अदालत ने कोल्हापुर पुलिस की जांच को सही करार दिया, जिसमें कहा गया था कि सुनील ने शराब के लिए रुपये न मिलने के चलते अपनी 63 वर्षीय मां यलम्मा रामा की हत्या कर दी थी। सुनील ने 28 अगस्त, 2017 को इस क्रूर घटना को अंजाम दिया था, जिसकी देश भर में चर्चा हुई थी। हत्या के बाद सुनील ने मां के शव के कई टुकड़े किए और उनमें से कई को फ्राई करके खा गया था। सरकारी वकील विवेक शुक्ला ने कहा कि हमने अदालत से सजा–ए–मौत की मांग की थी।

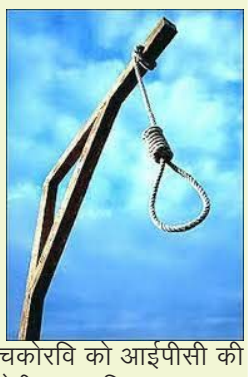

12–18 साल के बच्चों को सितंबर से लगेगी कोरोना की जाइडस कैडिला की वैक्सीन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश में बच्चों को छोड़कर लगभग सभी कोरोना वैक्सीन लगाने योग्य है। लेकिन ऐसा नहीं है कि बच्चों को कोरोना संक्रमण नहीं हो रहा। उत्तराखंड जैसे कई ऐसे राज्य हैं जहां छोटे बच्चों से लेकर टीन्स तक भारी संख्या में कोरोना की चपेट में आए हैं। ऐसे में हर किसी को इंतजार है कि बच्चों को वैक्सीन कब से लगेगी। भारत में 12 से 18 साल के बच्चों को जाइडस कैडिला की कोरोना वैक्सीन सितंबर से लगना शुरू हो सकती है। वैक्सीन मामलों पर बनी विशेषज्ञ समिति के प्रमुख ने ये संकेत दिया है। कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों पर ज्यादा असर पडने की आशंकाओं के बीच ये राहत भरे संकेत मिले हैं। जाइडस कैडिला की वैक्सीन के बच्चों पर किए ट्रायल के नतीजे सितंबर से पहले ही उपलब्ध हो जाने की उम्मीद है। नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन के प्रमुख डॉ. एनके अरोरा ने ये जानकारी दी है। एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अरोरा ने कहा कि जाइडस की वैक्सीन को आपातकालीन इस्तेमाल के तहत कुछ हफ्तों के भीतर हरी झंडी दिखाई जा सकती है। भारत में बच्चों के लिए भारत बायोटेक की वैक्सीन कोवैक्सिन भी जल्द उपलब्ध हो सकती है।

शहरी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को समय पर करे पूरा: गहलोत

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि शहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के विकास, सौन्दर्यकरण, ड्रेनेज एवं सीवरेज कार्यों से जुड़ी परियोजनाओं को समय पर पूरा करें ताकि शहरवासियों को जलभराव और यातायात जाम की समस्या से निजात मिल सके। श्री गहलोत मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से लगातार दूसरे दिन जोधपुर शहर में प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय लोगों की आवश्यकता और जनप्रतिनिधियों के सुझावों के अनुरूप इन कार्यों को योजनाबद्ध रूप से पूरा किया ने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रदेशभर में नॉन–पेचेबल और खराब सड़कों के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रेनेज एवं सीवरेज

कार्यों से शहरवासियों को जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को ड्रेनेज एवं सीवरेज प्रोजेक्ट की आकर्षित करने की काफी संभावनाएं हैं। यहां वाटर स्पोर्ट्स, रेस्टोरेंट्स एवं अन्य सुविधाएं विकसित की जाएं तो ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आएंगे। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जोधपुर शहर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए करीब 225 करोड़ रूपए कवर करने के अलावा, शोभावतों की ढाणी से पाल गांव, तनावडाध, घीनाणों की ढाणी और सालावास सड़क से होते हुए जोजरी नदी तक भैरव नाला निर्माण किया जाएगा। नाला बनने से पूर्वी पाल योजना एवं श्रमिक कॉलोनी में जलभराव की समस्या का समाधान हो सकेगा। प्रोजेक्ट की डीपीआर जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही है। बैठक में बताया गया कि करीब 309 करोड़ रूपए के सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इसमें नगर निगम उत्तर एवं दक्षिण के करीब 60 किलोमीटर क्षेत्र में पुरानी एवं जर्जर सीवर लाइनों को सुध ारने एवं बदलने का कार्य किया सीवर लाइनें डाली जाएंगी। करीब 40 हजार मकानों को सीवर कनेक्शन से जोड़ा जाएगा। प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार की जा रही है, जिसे आरयूआईडीपी को भेजा जाएगा। बैठक में बताया गया कि करीब 37.5 करोड़ की लागत से बालसमंद–नागादड़ी ओवरफ्लो नाला निर्माण कार्य से फूलबाग, चतुरावता बेरा, सुरपुरा आदि क्षेत्रों में जलभराव की समस्या का समाध ाान होगा। इसकी डीपीआर नगर निगम (उत्तर) द्वारा तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि अमृत योजना के पहले चरण में सुरपुरा बांध एम्यूजमेंट पार्क में करीब 2 करोड़ 7 लाख रूपए की लागत से पाथ–वे, ओपन जिम, ग्रीन स्पेस उपकरण एवं

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

2

कुशीनगर शनिवार, 10 जुलाई 2021

टेस्टिंग और वैक्सिनेशन में यूपी अव्वल–योगी

लखनऊ, (यूएनएस)। कोविड टेस्टिंग और टीकाकरण में उत्तर प्रदेश देश अव्वल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज टीम–9के साथ विचार विमर्श करते हुए कहा कि अन्य प्रदेशों में नये केस आ रहे हैं। डेल्टा प्लस वैरिएंट का भी प्रभाव दूसरे सूबों में अधिक है, इसलिए बाहर से आने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखने की जरूरत है। दूसरी लहर पूरी तरह नियंत्रित है। ट्रिपल टी फार्मूला सफल रहा है।टीकाकरण एक मात्र बचाव का साधन है इसलिए टीकाकरण को और तेज किये जाने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि अकारण बिजली कटौती न की जाय ,अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। अब तक 06 करोड़ 01 लाख 01 हजार 58 कोविड सैंपल की जांच की जा चुकी है। यह किसी एक राज्य द्वारा की गई सर्वाधिक टेस्टिंग है। 03 करोड़ 60 लाख 81 हजार 758 वैक्सीन डोज देकर उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में 03 करोड़ 05 लाख 47 लाख 365 लोगों ने कोविड की पहली डोज प्राप्त कर ली है। टीकाकरण और एग्रेसिव टेस्टिंग का क्रम सतत जारी रखा जाए। स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका सराहनीय रही है। आम जन में टेस्टिंग के प्रति जागरूकता और टीकाकरण के प्रति उत्साह भी है। विगत दिनों केजीएमयू लखनऊ में 109 सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराई गई। 107 सैंपल में कोविड की दूसरी लहर वाले पुराने डेल्टा वैरिएंट की पुष्टि हुई है, जबकि 02 सैम्पल में कप्पा वैरिएंट पाए गए। दोनों ही वैरिएंट प्रदेश के लिए नए नहीं हैं। वर्तमान दैनिक पॉजिटिविटी दर 0.04 प्रतिशत है। त्वरित और गहन ट्रेसिंग से संक्रमण का प्रसार भी न्यूनतम है। कोरोना वायरस के गहन अध्ययन–परीक्षण के लिए प्रदेश में जीनोम सिक्वेंसिंग की सुविधा को लगातार बढ़ाया जाए। इस सुविधा से लैस केंद्र की स्थापना से लाभ होगा। कोशिशों से उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की स्थिति नियंत्रण में है। विगत 24 घंटे में 2,52,568 कोविड सैम्पल की जांच की गई और पॉजिटिविटी दर 0.04 फीसदी से कम रही। 41 जिलों में एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि 32 जिलों में इकाई अंकों में नए संक्रमित मरीज पाए गए। इसी अवधि में, प्रदेश में 90 नए मरीजों की पुष्टि हुई है, जबकि 162 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। 30 अप्रैल के बाद से एक्टिव केस में लगातार गिरावट हो रही है और वर्तमान में 1,697 एक्टिव केस हैं। प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर और बेहतर होकर 98.6 फीसदी हो गई है। अब तक 16 लाख 82 हजार 741 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 1,334 लोग होम आइसोलेशन में हैं।24 घंटों में 07 लाख 83 हजार 588 प्रदेशवासियों ने टीका–कवर प्राप्त किया। टीकाकरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण की कार्यवाही और तेज की जाए। टीकाकरण की सुगमता के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग को प्रोत्साहित किया जाना उचित होगा। गांवों में कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से लोग टीकाकरण के लिए पंजीयन करा सकते हैं। ब्लॉक प्रमुख निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाए। विगत दिवस कतिपय जनपदों में अप्रिय घटनाएं हुई हैं। घटनास्थल पर तैनात जिम्मेदार अधिकारियों और माहौल बिगाड़ने वाले लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ तत्काल कठोरतम कार्रवाई की जाए। किसी भी दशा में माहौल खराब करने की एक भी कोशिश स्वीकार नहीं जाएगी। पुलिस बल अतिरिक्त सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ मुस्तैद रहे। असलहा आदि का प्रदर्शन करने वालों के हथियार जब्त कर यथावश्यक कार्रवाई की जाए। गोरखपुर में सैनिक स्कूल, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तथा पीएसी की नवीन बटालियनों की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य शीघ्रता से प्रारंभ किया जाए। कोविड–19 महामारी के कारण जिन लोगों का असामयिक निधन हुआ है, उन भूमिधरों की वरासत, उनके विधिक उत्तराधिकारियों के पक्ष में खतौनी में दर्ज करने के लिए विशेष वरासत अभियान संचालित किया जा रहा है। 18 जुलाई तक के लिए प्रस्तावित इस महत्वपूर्ण अभियान का लाभ सभी जरूरतमंदों को दिलाया जाए। खतौनी की नकल राजस्व विभाग के स्थानीय अधिकारियों द्वारा उत्तराधिकारी के आवास पर जाकर ससम्मान हस्तगत किया जाए। कोरोना के कारण निराश्रित हुई महिलाओं की आजीविका के लिए समुचित प्रबंध किया जाए।मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की तर्ज पर महिला एवं बाल विकास विभाग ऐसी महिलाओं के संबंध में भी विस्तृत कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत की जाए। केंद्र व राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से अब तक 528 में से 146 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। 15 अगस्त तक सभी प्लांट की स्थापना की कार्यवाही सम्पन्न कर ली जाए। तय रोस्टर के अनुरूप सभी जगहों पर बिजली की आपूर्ति की जाए। अनावश्यक कटौती न हो। बिजली चोरी की घटनाओं पर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। खराब, जर्जर बिजली तारों–पोल के सुदृढ़ीकरण की कार्यवाही तेजी से की जाए।

मायके आयी विवाहिता फांसी पर झूली

फर्रुखाबाद, (यूएनएस)। मायके आयी विवाहिता नें आम के बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस नें शव का पंचनामा भरा। थाना राजेपुर के ग्राम जैनापुर निवासी निवासी 45 वर्षीय विमला देवी पत्नी रामनारायण बीते आठ दिन पूर्व अपनी माँ के निधन पर मायके अस्तल कमालगंज बेटे कमल किशोर के साथ आयी थी। शुक्रवार अहले सुबह लगभग 4 रू30 बजे वह घर से चली गयी थी। शुक्रवार सुबह उसका शव गाँव के निकट ही आम के बाग में पेंड पर लटका मिला। जिसकी सूचना पर ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गये। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार फोर्स के साथ मौके पर आ गये। उन्होंने जाँच की। मृतका के बेटे का कहना है कि माँ का मामा के साथ विवाद हो गया था। जिससे आक्रोशित होकर विमला नें फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दारोगा भभूति प्रसाद ने शव का पंचनामा भरने की कार्यवाही की।

खराब ट्रांसफार्मर ना बदलनें में लाइन मैंन की संविदा समाप्त, एसडीओ पर कार्यवाही की तलवार

फर्रुखाबाद, (यूएनएस)। जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह के निर्देश पर विद्युत आपूर्ति में लापरवाही करने पर वीरसिंह लाइनमैन सिरमौरा की संविदा समाप्त कर दी। उपखण्ड अधिकारी नवाबगंज आरकेवर्मा के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को पत्र भेजा गया है। जिलाधिकारी से शिकायत की गई थी की ग्राम सिरमौरा में ट्रांसफार्मर 5 दिन से फुका पड़ा है। जब कि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफार्मर खराब होने पर 48 घण्टे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदल दिया जाए। अधिशासी अभियन्ता कायमगंज द्वारा शिकायत की जांच में बताया गया कि वीरसिंह लाइनमैन द्वारा इस क्षेत्र की विद्युत आपुर्ति सही तरीके से बहाल नहीं की जा रही है एवं इनके द्वारा विद्युत कार्य भी अत्यत लापरवाही से किया जाता रहा है। प्रकरण में जिम्मेदारी अधिकारी होने के नाते उपखण्ड अधिकारी को दोषी पाया गया है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता कायमगंज को लाइनमैन वीरसिंह की संविदा समाप्त करने के साथ–साथ आरकेवर्मा उपखण्ड अधिकारी नवाबगंज के विरूद्ध दंडात्मक व विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को तत्काल पत्र भेजने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों को हिदायत दी की भविष्य में ट्रांसफार्मर खराब होने पर ग्रामीण क्षेत्र में 48 घण्टा एवं शहरी क्षेत्र में 24 घण्टे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदलना सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा की दशा में जिम्मेदार के विरूद्ध गम्भीर व कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

एएमयू गजट के शताब्दी अंक का विमोचन

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर तारिक मंसूर ने शुक्रवार को एएमयू गजट के विशेष शताब्दी अंक का विमोचन किया। अमुवि के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में सर सैयद अकादमी द्वारा एएमयू गजट का विशेष अंक प्रकाशित किया गया है। इस अवसर पर प्रोफेसर तारिक मंसूर ने कहा कि "एएमयू गजट के शताब्दी अंक में शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के विभिन्न कार्यक्रम और व्याख्यान शामिल हैं। यह अंक भविष्य के लिए एक रिकॉर्ड के रूप में काम करेगा और संदर्भों के लिए उपयोगी होगा। संपादकीय समिति ने शताब्दी राजपत्र के प्रकाशन के लिए अपने दायित्वों का अच्छी तरह से निर्वहन किया है, जिसकी मैं सराहना करता हूँ। रजिस्ट्रार अब्दुल हमीद, आईपीएस ने भी शताब्दी गजट को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया और संपादकीय समिति के प्रयासों की सराहना की। एएमयू गजट के विशेष शताब्दी अंक में सर सैयद मेमोरियल लेक्चर सीरीज के हिस्से के रूप में महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों के व्याख्यान और भाषण सम्मिलित हैं। इसमें महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय भवनों और अन्य स्मारकों के चित्र भी हैं। एएमयू गजट के विशेष शताब्दी अंक की संपादकीय समिति में सर सैयद अकादमी के निदेशक प्रोफेसर अली मुहम्मद नकवी, प्रोफेसर शाफे किदवाई, मुहम्मद नासिर, मुहम्मद फैसल फरीद और समरीन अहमद शामिल थे। यह विशेष अंक शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। गौरतलब है कि 1866 में एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान ने गजट का प्रकाशन प्रारंभ किया था जिसमें संस्था से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रकाशित किए गए ।

डा. जेडए डेंटल कालेज में ओपीडी सेवाएं 12 जुलाई से शुरू

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डाक्टर जियाउद्दीन अहमद डेंटल कालेज में आउट पेशेंट विभाग (ओपीडी) सेवाएं सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को नए पंजीकरण की सुविधा के साथ 12 जुलाई, 2021 से पुनः शुरू हो रही हैं। प्राचार्य प्रोफेसर आरके तिवारी के अनुसार पंजीयन का समय सुबह 9 से 10 बजे तक होगा तथा फालोअप एवं इमरजेंसी के मरीज प्रतिदिन दोपहर 12 बजे तक देखे जाएंगे।

एएमयू कोर्ट के नए सदस्य

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सुन्नी धर्मशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुहम्मद सलीम और प्रोफेसर नवाब अली खान, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग को वरिष्ठता के आधार पर विश्वविद्यालय कोर्ट का सदस्य नियुक्त किया गया है।

प्रोफेसर अबुल कलाम कासमी के निधन पर शोक की लहर

अलीगढ़, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय समुदाय ने प्रसिद्ध आलोचक और विद्वान प्रोफेसर अबुल कलाम कासमी, पूर्व डीन, कला संकाय तथा उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया, जिनका कल लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। प्रोफेसर कासमी (71) को आज विश्वविद्यालय कब्रिस्तान में दफनाया गया। वह एक व्यापक प्रशंसित आलोचक और लेखक थे और उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले। प्रोफेसर कासमी को प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार, यूपी उर्दू अकादमी पुरस्कार, बिहार उर्दू अकादमी पुरस्कार और इम्तियाज–ए–मीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने साहित्य की विभिन्न विधाओं पर एक दर्जन से अधिक पुस्तकें और लेख लिखे। एएमयू कुलपति प्रोफेसर तारिक मंसूर ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अबुल कलाम कासमी को उनके शानदार लेखन के लिए साहित्यिक हलकों में बहुत सम्मान दिया जाता था। उनकी पुस्तकों को भारत और विदेशों में खूब सराहा गया और उन्होंने अपनी मातृ संस्था एएमयू का नाम रोशन किया। उनका निधन ज्ञान और साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रोफेसर मंसूर ने उनकी पत्नी प्रोफेसर दुरदाना कासमी और तीन बेटों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। प्रसिद्ध फारसी विद्वान और लेखक प्रोफेसर आजरमी दुख्त सफवी ने कहा कि प्रोफेसर कासमी की फारसी और अरबी साहित्य पर गहरी पकड़ थी और वे आधुनिक साहित्यिक विचारों के भी अच्छे जानकार थे। उनके लेखन ने उर्दू आलोचना में एक नई राह दिखाई। प्रोफेसर एसएन जेबा, डीन, कला संकाय, एएमयू ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि प्रोफेसर कासमी के लेखन गद्य साहित्य में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक अंतर्दृष्टि को दर्शाते हैं। उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुहम्मद अली जौहर ने कहा कि प्रोफेसर अबुल कलाम कासमी एक मेधावी विद्वान, प्रसिद्ध आलोचक और एक उत्कृष्ट शिक्षक थे, जो शोधार्थियों और छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय थे। उर्दू विभाग की प्रतिष्ठा कुछ प्रमुख विद्वानों से है जो यहां पढ़ाते हैं। प्रोफेसर कासमी उनमें से एक थे।

प्रधानाचार्य संगठित होकर लड़े अधिकारों की लड़ाई

उरई/जलौन, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद की जिला इकाई की बैठक झांसी जिलाध्यक्ष विनोद शर्मा की अध्यक्षता में सर्वोदय इंटर कॉलेज में हुई। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रविशंकर तिवारी ने कहा कि संगठन का लक्ष्य प्रदेश के समस्त प्रधानाचार्यों को संगठित करके उनके हितार्थ कार्य करना हैं। प्रधानाचार्यों की 11 सूत्री मांगों को शासन से पूरा करने के लिए व्यापक संघर्ष करना हैं। प्रदेशीय संगठन मंत्री डॉ धर्मेंद्र मिश्रा ने प्रधानाचार्यों के वेतन में विसंगति के सुधार की मांग की। डॉ आनंद गुप्ता ने प्रत्येक विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षक नियुक्त करने व कंप्यूटर रख रखाव के लिए अनुरक्षण कोष दिए जाने की बात की। प्रधानाचार्य डॉ राकेश निरंजन ने शासन द्वारा चतुर्थ श्रेणी की नियुक्ति पर लगी रोक हटाने की मांग की। जिलाध्यक्ष डॉ रविशंकर अग्रवाल ने प्रधानाचार्यों से एकजुट होकर विद्यालय संचालन में आने वाली समस्या के निस्तारण की बात कही। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रजबल्लभ सिंह सेंगर, डॉ इंद्रभूषण पटेल, जगदेव चौहान, रामशंकर गुप्ता, जगदीश शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, डॉ शैलेंद्र पाठक आदि ने भी विचार रखे। खैर इंटर कॉलेज गुरसराय के प्रधानाचार्य धन प्रकाश तिवारी ने अपने विद्यालय में प्रधानाचार्य परिषद का मंडलीय सम्मेलन कराने की घोषणा की।

मोहम्मदाबाद में प्रमुख चुनाव से पूर्व ब्लाक परिसर से ईंट–पत्थर हटाने के निर्देश

फर्रुखाबाद, (यूएनएस)। शनिवार को विकास खंड कार्यालय में ब्लाक प्रमुख चुनाव के लिए मतदान की तैयारी है। जिसको लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रणनीति तेज कर दी है। दरअसल जनपद में कुल सात ब्लाकों में 5 ब्लाक भाजपा ने निर्विरोध जीत लिये। वहीं नबावगंज में सपा नेता डॉ० जितेन्द्र यादव की पत्नी डॉ० अनीता रंजन पुनरू निर्विरोध ब्लाक प्रमुख चुनी गयीं। जिससे 6 ब्लाकों पर मतदान नही होगा। लिहाजा अब मोहम्मदाबाद ब्लाक प्रमुख चुनाव में दो दिग्गज दिग्विजय होंने की गुणागणित लगा रहें है। डॉ० अनुपम दुबे के भाई अमित उर्फ बब्बन दुबे निवर्तमान ब्लाक प्रमुख हैं। लिहाजा उन्होंने दोबारा फिर नामांकन दाखिल किया। वहीं जिला पंचायत चुनाव में डॉ० अनुपम दुबे की रणनीति से चारों खाने चित्त हुए सुबोध यादव ने सियासी बदला लेंने के लिए बब्बन दुबे के खिलाफ अपने समर्थकों का पर्चा दाखिल करा दिया। जिससे जनपद भर की निगाहे अब आगामी चुनाव परिणाम पर टिक गयीं है। सुबोध यादव के खिलाफ डॉ० अनुपम दुबे के भाई बब्बन दुबे को चुनाव लड़ा रहे सचिन यादव की सियासी बल्लेबाजी भी काफी अहम किरदार निभायेगी। दोपहर दो बजे तक केबल पूर्व ब्लाक प्रमुख अमित दुबे (बब्बन) की पत्नी कुमकुम दुबे नें अपना पर्चा वापस लिया। सुबोध यादव के किसी भी समर्थक नें पर्चा वापस नही लिया। दोपहर प्रेक्षक राजाराम नें अधिकारियों के साथ विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण किया और बीडीओ सतीश मिश्रा को निर्देश दिये कि ब्लाक परिसर में पड़े ईंट–पत्थर या हटायें जाएँ या ढक दियें जाए। इसके साथ ही दिन भर बैरिकेटिंग लगानें का कार्य चलता रहा। शनिवार को मतदान होगा। ब्लाक प्रमुख चुनाव में अमित दुबे (बब्बन) के खिलाफ सुबोध यादव समर्थक दो प्रत्याशी पंकज कुमार निवासी पमरखिरिया व प्रशांत राठौर निवासी गैसिंगपुर चुनाव मैदान में आ गयें है। निर्वाचन अधिकारी आदित्य कुमार नें बताया कि केबल एक कुमकुम दुबे का पर्चा वापस नही किया ना ही पर्चा वापस हुआ है।अन्य किसी नें पर्चा वापस नही लिया। तीन प्रत्याशी मैदान में हैं।

धीरे–धीरे बैठ रहा परिवहन निगम का भट्ठा

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की आमजनता को यातायात की सुविधा का एक मात्र लोकप्रिय साधन रोडवेज बसें हैं,जो दुर्व्यवस्था के कारण दूर हो रही हैं। आजादी के बाद जनमानस को परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए 15 मई 1947 को राज्य सड़क परिवहन की स्थापना लोक परिवहन के रूप में की गई थी। स्थापना के बाद से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन जनता को सस्ती, सुरक्षित, बेहतर सुविधाएं देता आ रहा है। यह उद्योग जहां गांव,शहर और नगर को जोड़ता है वही रोजगार और विकास के अवसर भी उपलब्ध कराता है। 01 जून 1972 को राजकीय रोडवेज को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में तब्दील कर दिया गया। निगम में परिर्वतन के बाद से शनैःशनैः परिवहन निगम घाटे में जाने लगा जो आज की स्थिति में पहुंच गया है। धीरे धीरे परिवहन निगम का भट्ठा बैठ रहा है। इसके लिए सरकारी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। वर्ष 1992 के बाद से परिवहन निगम के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली अंशपूजी भी बंद कर दी गई। इतना ही नहीं राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत मार्गों की संख्या भी कम कर अंधाधुंध गैर रोडवेज के संचालन की छूट दिये जाने के कारण रोडवेज अपनी पहचान खोत रहा है। राष्ट्रीयकृत मार्गों के मामले में उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में काफी पीछे है।उत्तर प्रदेश में 7 फीसदी से भी कम राष्ट्रीयकृत मार्ग हैं जिनपर रोडवेज बसों का संचालन है। अन्य राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश में 95 प्रतिशत,कर्नाटक में 70 फीसदी और महाराष्ट्र व गुजरात मे शत प्रतिशत राष्ट्रीयकृत मार्ग है,जिनपर परिवहन निगम की बसें चलती हैं। यहां राष्ट्रीयकृत मार्गों का प्रतिशत कम है ऊपर से अवैध संचालन भी खूब होता है। पुलिस प्रशासन के संरक्षण में अवैध संचालन फलता फूलता है और परिवहन निगम की आय में निरन्तर गिरावट आती जा रही है। 110 हजार गांवो वाले उत्तर प्रदेश के करीब 90 हजार गांव के निवासी ही राज्य सड़क परिवहन की सेवाओं का लाभ उठा पा रहे हैं। 20 हजार गांव आज भी रोडवेज बसों में सफर करने से महरूम हैं। पूर्ववर्ती सरकारों के समक्ष 13000 किलोमीटर राष्ट्रीयकृत मार्गो पर रोडवेज की बसों के संचालन का प्रस्ताव रखा गया था किंतु ठण्डे बस्ते में चला गया और आजतक कुछ नहीं हुआ। पूंजीपति वाहन स्वामियों जिनका काम अवैध वाहन संचालन हैउनके दबाव में कार्यवाही ही नहीं कि गई। प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मांगपत्र देकर अवगत कराया है कि प्रस्ताव पेंडिंग है,यदि विचार कर समाधान निकल जाए तो दिन ब दिन खराब होती परिवहन निगम की मालीहालत सुधर सकती है और अधिकाधिक लोगो तक परिवहन सेवा पहुंच सकती है। अनदेखी के कारण निगम धीरे–धीरे निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। अधिकांश चालक, परिचालक संविदा पर कार्यरत हैं।

संक्षिप्त समाचार

वृद्धों की शिकायत निस्तारण को हेल्पलाइन शुरू

बांदा, (यूएनएस)। वृद्धजनों के जीवन यापन व निर्वाहन से संबंधित शिकायतों के निस्तारण को शासन ने निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर–14567 की स्थापना की है। जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा नरैनी रोड में वृद्धाश्रम संचालित किया जा रहा है। इसमें 150 बेसहारा वृद्धों के रहने की व्यवस्था है। कोई वृद्ध खुद के खर्चे पर आश्रम में रहना चाहता है, तो उन्हें आवासीय सुविधा दी जाएगी। वृद्धों से जुड़े आर्थिक, आपराधिक, सामाजिक शोषण आदि मामलों की सुनवाई होती है। हर तहसील में एसडीएम की अध्यक्षता में अधिकरण की स्थापना की है। अधिकरणों के संचालन के लिए सुलह अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है।

चिन्नावर चावल को फिर चमकाने की कोशिश

बांदा, (यूएनएस)। आम आदमी की थाली से तेजी से दूर होते जा रहे बुंदेलखंड के मशहूर चिन्नावर चावल को फिर पुरानी पहचान दिलाने की कुछ किसानों ने कवायदें शुरू कर दी हैं। खास तरह की खुशबू बिखेरने वाला चिन्नावर चावल किसी जमाने में बुंदेलखंड की शान और पहचान था। देश भर में इसकी मांग थी, लेकिन पिछले करीब डेढ़ दशकों से प्राकृतिक परिस्थितियों और अन्य कार्यों से यह हासिए पर चला गया। अब क्षेत्र के प्रगतिशील किसान विज्ञान शुक्ला ने चिन्नावर को चमकाने का बीड़ा उठाया है। बताया कि 50 एकड़ में चिन्नावर धान की नर्सरी लगाई है। एक एकड़ में 15 किलो धान लगा है। महिलाओं ने धान की रोपाई की है। प्रति एकड़ 15 क्विंटल पैदावारी की उम्मीद है। यह 10 हजार रुपये क्विंटल तक बिकता है। इसी तरह खेरवा गांव के प्रगतिशील किसान संजीव अवस्थी भी अपने कृषि फार्म को मॉडल के रूप में कायम किए हुए हैं।

अयोध्या संग चित्रकूट के मंदिरों का भी विकास

बांदा, (यूएनएस)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के साथ चित्रकूट के मठ और मंदिरों का भी विकास होगा। इसके लिए संघ और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट हर संभव मदद करेंगे। यह भरोसा ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने यहां साधु–संतों के साथ बैठक में दिलाया। संघ की राष्ट्रीय चिंतन बैठक में शामिल होने आए चंपत राय ने रामायणी कुटी परिसर में साधु–संतों के साथ बैठक की। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण में मिले चंदे और खर्च का ब्योरे की भी जानकारी दी। बताया कि लगभग तीन साल में मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। कई संतों ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट महामंत्री से कहा कि चित्रकूट के मठ और मंदिर खस्ताहाल हैं। चित्रकूट को विकास की दरकार है। कहा कि अयोध्या मंदिर के साथ यहां के मठ मंदिरों का भी कायाकल्प होना चाहिए। राय ने संतों को भरोसा दिलाया कि इस काम में हर संभव मदद करेगा। उन्होंने सहमति जताई कि पवित्र भूमि चित्रकूट का भी सर्वांगीण विकास होना चाहिए।

कोंच फिल्म फेस्टिवल में लोकगीतों की हुई प्रस्तुति

उरई/जलौन, (यूएनएस)। कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बुंदेली लोकगीतों की शानदार प्रस्तुतियां हुई। लोक संस्कृति विशेषज्ञ विनोद मिश्र सुरमणि ने बुंदेली संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए लोकगीतों का गायन किया। हर शाख पर उल्लू बैठा है, जीजा जी छत पर हैं, हप्पू की उलटन पलटन, शक्ति जैसे सीरियलों में अभिनय कर चुके टीवी एवं फिल्म अभिनेता अभिषेक अग्रवाल ने सिनेमा से जुड़ी जरूरी बातें बताई। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ पुनीत विसारिया एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के रजिस्ट्रार वरिष्ठ कथाकार महेंद्र भीष्म ने भी फेस्टिवल को संबोधित किया। भाभी जी घर पर हैं सीरियल में तिवारी जी का किरदार निभाने वाले रोहिताश गौड़ की बेटी व अभिनेत्री गीति गौड़ ने अपने अनुभवों को साझा किए। फेस्टिवल में बिहार प्रांत के कवियों ने अपनी–अपनी रचनाओं से समां बांधा गया। कवियत्री डॉ मीना परिहार, प्राची तिवारी ने रचनाएं पढ़कर श्रोताओं को आनंदित किया। इस दौरान भास्कर सिंह माणिक्य, रेखा शर्मा, श्रीराम राय, प्रकाश, सोनिया प्रतिभा, कमलेश गुप्ता, पारसमणि आदि रहे।

पुलिस से उलझे भाजपाई, नारेबाजी व हंगामा किया

उरई/जलौन, (यूएनएस)। माधौगढ़ ब्लॉक प्रमुख का नामांकन हंगामे के बीच हुआ। नाटकीय ढंग से दूसरे प्रत्याशी खंड ब्लॉक परिसर में पहुंच गए। इसको लेकर भाजपाइयों की पुलिस से नोकझोंक हुई। इसके बाद भाजपाई धरना पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एएसपी आरके सिंह, सीओ शाहिदा नसरीन व एसडीएम सालिकराम मौके पर डटे रहे। ब्लॉक प्रमुख पद के लिए चिंतामन, सुमन व हेमलता ने नामांकन पत्र खरीदे थे। नामांकन के दिन सुबह से गहमागहमी शुरू हो गई। खंड विकास कार्यालय के आसपास भाजपाइयों का जमावड़ा लग गया। भाजपा की ओर से चिंतामन ने पर्चा दाखिल किया। दूसरे प्रत्याशी सुमन दोपहर नाटकीय ढंग से खंड विकास कार्यालय पहुंच गई। ब्लॉक पहुंचते ही भाजपाइयों की पुलिस से नोंकझोंक होने लगी। लगभग दोपहर दो बजे नाटकीय ढंग से आए युवक ने प्रत्याशी सुमन को चालान दे दिया। अंदर बैठे बीडीसी गालमपुरा ने चालान खींच लिया। पुलिस की सतर्कता के चलते लेमिनेशन चालान बच गया। चालान की खबर देख भाजपा नेता सुदामा दीक्षित, अमित बादल, जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए। सीओ शाहिदा नसरीन, एसडीएम सालिकराम पर प्रत्याशी पर पक्षपात का आरोप लगाने लगे। मौके पर पहुंचे विधायक मूलचंद्र निरंजन से अपर पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह व सीओ की बातचीत हुई। पर्चा जांच होने तक हंगामा चलता रहा। दोनों पर्चा की जांच में सही होने पर मामला शांत हुआ।

मेडिकल कालेज में एक और कोरोना संक्रमित भर्ती

आजमगढ़, (यूएनएस)। राजकीय मेडिकल कालेज व सुपर फैसिलिटी अस्पताल में बुधवार की देर शाम कोरोना संक्रमित एक और मरीज को भर्ती कराया गया। इसके साथ ही कोविड वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या तीन हो गई है। बुधवार की देर शाम भर्ती 65 वर्षीय मरीज के मुंबई से लौटने के कारण उसमें डेल्टा प्लस वेरिएंट होने की आशंका को देखते हुए मेडिकल कालेज प्रशासन जांच को नमूना बीएचयू भेजेगा। जहानागंज थाना क्षेत्र के वृद्ध मुंबई में प्राइवेट नौकरी करते थे। वह 10 दिन पहले घर लौटे तो उनको जुकाम, खांसी, बुखार हुआ। इलाज के बावजूद हालत बिगड़ने पर राजकीय मेडिकल कालेज में जांच कराई गई तो रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आई। उसके बाद ग्रामीणों में डेल्टा प्लस वेरिएंट से प्रभावित होने की चर्चा होने लगी है।

आलोचना के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के कोच बने रहना चाहते हैं जस्टिन लैंगर

ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर आलोचना के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के कोच बने रहना चाहते हैं।लैंगर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले कहा ,''कुछ बातें बड़ी कन्फ्यूज करने वाली थी। सच कहूं तो मैं काफी आहत भी हुआ। पिछले तीन साल से मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही थी।''

ग्रोस आइलेट।अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने वाली भारतीय टीम से मिली हार के बाद से आलोचना का सामना कर रहे ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर का पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। इस साल जनवरी में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया को 2 . 1 से हराकर टेस्ट श्रृंखला जीती थी। भारतीय टीम में नियमित कप्तान विराट कोहली नहीं थे और चोट के कारण कई अन्य खिलाड़ी भी बाहर थे। लैंगर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले कहा ,''कुछ बातें बड़ी कन्फ्यूज करने वाली थी। सच कहूं तो मैं काफी आहत भी हुआ। पिछले तीन साल से मुझे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही थी।'' उन्होंने कहा ,'' अगर बोर्ड और सीईओ और हाई परफार्मेंस मैनेजर को लगता है कि मैं कोच के रूप में सही हूं तो मेरा पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं। मुझे अपने काम से प्यार है।'' उन्होंने कहा ,'' मैं भारत से वह श्रृंखला हारना नहीं चाहता था। कोई भी हारना नहीं चाहता। मैं अपने काम के प्रति समर्पित हूं। मुझे अपना काम पसंद है। मुझे आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से प्यार है। मुझे खिलाड़ियों से प्यार है। मुझे उम्मीद है कि पिछले तीन साल से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

इस साल जनवरी में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया को 2 . 1 से हराकर टेस्ट श्रृंखला जीती थी। भारतीय टीम में नियमित कप्तान विराट कोहली नहीं थे और चोट के कारण कई अन्य खिलाड़ी भी बाहर थे। लैंगर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले कहा ,''कुछ बातें बड़ी कन्फ्यूज करने वाली थी।

ऐतिहासिक माराकाना स्टेडियम में बरसों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर ताजा करेंगे ब्राजील और अर्जेंटीना

ऐतिहासिक माराकाना स्टेडियम पर होने वाले इस मैच में फुटबॉल के इतिहास के महानायकों में शुमार मेस्सी को रोकने की चुनौती होगी जबकि मेस्सी पर दुनिया के सबसे कठिन रक्षण में सेंध लगाने का जिम्मा होगा।

रियो दि जिनेरियो। दुनिया भर के फुटबॉलप्रेमियों के लिये यह लियोनेल मेस्सी और नेमार के बीच का मुकाबला है लेकिन शनिवार को ब्राजील और अर्जेंटीना के बीच होने वाला कोपा अमेरिका फाइनल फुटबॉल के मैदान पर बरसों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर ताजा करने का एक मौका भी है। ऐतिहासिक माराकाना स्टेडियम पर होने वाले इस मैच में फुटबॉल के इतिहास के महानायकों में शुमार मेस्सी को रोकने की चुनौती होगी जबकि मेस्सी पर दुनिया के सबसे कठिन रक्षण में सेंध लगाने का जिम्मा होगा। नेमार की ब्राजील ने कोपा अमेरिका के छह मैचों में सिर्फ दो गोल गंवाये हैं। अनुभवी थियागो सिल्वा, मारकिन्होस और एडेर मिलिताओ बारी बारी से खेल रहे हैं ताकि जोखिम से बच सकें। मिडफील्डर केसमिरो और फ्रेड फॉर्म में हैं। राइट बैक डेनिलो और लेफ्ट बैक रेनान लोडी को छकाना आसान नहीं है।? ये खिलाड़ी ऐन मोके पर टूर्नामेंट ब्राजील में कराने के फैसले से खफा था लेकिन अब फाइनल से पहले इनका एक ही लक्ष्य मेस्सी की अर्जेंटीना को हराना है। केसमिरो ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मेस्सी जिस जोन में खेलता है, मैं भी उसी जोन में खेलता हूं। हमारा कई बार आमना सामना होता है। मैं किसी खिलाड़ी को अकेले निशाना नहीं बना सकता। टीम के रूप में यह काम होता है। हम सिर्फ एक खिलाड़ी को निशाना नहीं बनाते।'' उन्होंने कहा ,'' नेमार , रिचार्लीसन से लेकर गोलकीपर तक , टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और सभी आक्रमण भी करते हैं और बचाव भी।'' दूसरी ओर अर्जेंटीना ने मेस्सी को बचाने का तरीका खोज लिया है। मिडफील्डर रौद्रिगो डि पॉल और जियोवानी लो सेल्सो उनके इर्द गिर्द घेरा बनाते हैं। इसके साथ ही वे लौटारो मार्तिनेज और निको गोंजालेस को अच्छे पास देने में भी कामयाब रहते हैं।

परेरा की जगह शनाका संभालेंगे श्रीलंका की कप्तानी, भारत के खिलाफ १३ जुलाई से मैच

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका क्रिकेट ने शनाका को टीम की कमान सौंपने का फैसला कर लिया है जो अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले पहले खिलाड़ी थे।

कोलंबो। ऑलराउंडर दासुन शनाका का भारत के खिलाफ 13 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे और टी20 श्रृंखला से पहले कुसाल परेरा की जगह श्रीलंका की सीमित ओवरों की टीम का कप्तान बनना तय है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार श्रीलंका क्रिकेट ने शनाका को टीम की कमान सौंपने का फैसला कर लिया है जो अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले पहले खिलाड़ी थे। यह 29 वर्षीय क्रिकेटर आक्रामक बल्लेबाज और तेज गेंदबाज है। वह पिछले चार वर्षों में श्रीलंका के कप्तान बनने वाले छठे खिलाड़ी होंगे। दिनेश चंदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, लेसिथ मलिंगा, दिमुथ करुणारत्ने और परेरा ने 2018 के शुरू से लेकर श्रीलंका की कमान संभाली है। शनाका ने 2019 में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में कप्तानी की थी जिसमें उनकी टीम ने क्लीन स्वीप किया था।

कमजोर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। घरेलू हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबा की कीमत 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 720.75 रुपये प्रति किलो रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये तांबा का भाव 10.70 रुपये यानी 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 720.75 रुपये प्रति किलो रह गया। इसमें 4,280 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण सटोरियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे यहां तांबा वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर मांग से धनिया वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को धनिया की कीमत 76 रुपये की गिरावट के साथ 6,422 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के जुलाई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 76 रुपये अथवा 1.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,422 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई जिसमें 3,740 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्यतरू यहां धनिया वायदा कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

सेंसेक्स 486 अंक लुढ़का, निफ्टी 15,750 के नीचे आया

मुंबई। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 486 अंक लुढ़क गया। वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच सूचकांक में लुढ़क कर 15,727.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में टाटा स्टील का शेयर रहा। इसके अलावा सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, कोटक बैंक और डा. रेड्डीज में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ टेक महिंद्रा, बजाज ऑटो, पावर ग्रिड और एनटीपीसी समेत अन्य शेयर लाभ में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार बुधवार के रिकार्ड स्तर से नीचे आया।'' हांगकांग के हैंगसेग में 2.50 प्रतिशत की गिरावट आयी। नियामकीय जोखिम को लेकर चिंता के बीच निवेशकों ने चीन की प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में जोरदार बिकवाली की। फेडरल रिजर्व में अमेरिकी प्रोत्साहन उपायों में कमी की संभावना के बारे में बातचीत होने तथा जापानी अधिकारियों के संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच आलम्पिक खेलों के दौरान कोरोना वायरस आपात स्थिति घोषित किये जाने की तैयारी की खबरों से एशियाई बाजारों में गिरावट आयी। शंघाई, सियोल और तोक्यो शेयर बाजारों में भी उल्लेखनीय गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। मोदी के अुसार घरेलू बाजार में चौतरफा बिकवाली दबाव देखने को मिला। हालांकि टीसीएस का वित्तीय परिणाम बृहस्पतिवार को जारी होने से पहले आइटी कंपनियों के शेयरों में मजबूती दिखी। धातु और वित्तीय शेयरों में भी सुधार हुआ। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। तीस शेयरो पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 485.82 अंक यानी 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,568. 94 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 151.75 अंक यानी 0.96 प्रतिशत

संक्षिप्त

प्रज्वलन समारोह के साथ ओलंपिक मशाल रिले का तोक्यो चरण आरंभ, एक दिन पहले की गई आपातकाल की घोषणा

तोक्यो। ओलंपिक आयोजकों ने शुक्रवार को ओलंपिक मशाल के तोक्यो आगमन के साथ ही प्रज्जवलन समारोह का आयोजन किया। इससे एक दिन पहले ही सरकार ने तोक्यो में कोरोना आपातकाल की घोषणा की थी चूंकि डेल्टा वैरिएंट के मामलों की संख्या बढती जा रही है। इसी वजह से मशाल रिले राजधानी की सड़कों पर आयोजित नहीं की जा सकी। तोक्यो के तटवर्ती द्वीपों पर ही इसका आयोजन किया गया। रिले की शुरूआत से अब तक कई बार इसका रास्ता बदला गया, नया रास्ता बनाया गया और सार्वजनिक पार्कों में जनता से दूर इसका आयोजन किया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि स्टेडियम में उद्घाटन समारोह के लिये मशाल कैसे आयेगी। तोक्यो में स्टेडियमों में दर्शकों का प्रवेश निषेध कर दिया गया है। विदेशी प्रशंसकों के आगमन पर पहले ही रोक लगी हुई है। ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होगा जबकि आपातकाल 12 जुलाई से 22 अगस्त के बीच लागू रहेगा।

कमजोर हाजिर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को कच्चा तेल की कीमत 88 रुपये की गिरावट के साथ 5,304 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के जुलाई डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 88 रुपये अथवा 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,304 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 7,103 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर हाजिर मांग के बीच व्यापारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में कच्चातेल कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 1.52 प्रतिशत घटकर 71.10 डालर प्रति बैरल रह गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 1.38 प्रतिशत घटकर 72.42 डालर प्रति बैरल रह गया।

हाजिर मांग से चांदी वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 162 रुपये की तेजी के साथ 69,527 रुपये प्रति किलो हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर डिलीवरी वाले वायदा अनुबंध का भाव 162 रुपये यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 69,527 रुपये प्रति किलो हो गया। इस वायदा अनुबंध में 10,862 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में चांदी में तेजी के रुख के कारण कारोबारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में चांदी कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयार्क में चांदी का भाव 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 26.20 डालर प्रति औंस हो गया।

हाजिर मांग के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 56 रुपये की तेजी के साथ 47,966 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त महीने की डिलिवरी के लिये सोने की कीमत 56 रुपये यानी 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 47,966 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 10,063 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में जाभ दर्ज हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,808 डॉलर प्रति औंस हो गई।

जोमैटो का 9,375 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 जुलाई को खुलेगा

नयी दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचने वाले मंच जोमैटो ने गुरुवार को कहा कि उसे अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से 9,375 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है और यह निर्गम 14 जुलाई से 16 जुलाई तक बोली के लिए खुलेगा। निर्गम के लिए कीमत का दायरा 72 रुपये से 76 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में जोमैटो को बाजार नियामक सेबी से आईपीओ लाने की इजाजत मिली थी।आईपीओ का आकार 9,375 करोड़ रुपये है और इसके तहत 9,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि इंफो एज (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 375 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश की जाएगी। जोमौटो के मुताबिक निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल कारोबार को बढ़ाने तथा अधिाग्रहण के लिए किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन खाना आपूर्ति खंड में तेज वृद्धि देखी गई है, जिसमें जोमैटो और स्विगी मुख्य प्रतिस्पर्धी हैं।

लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल–डीजल की कीमतों में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन वृद्धि की। देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर 39 पैसे तक और डीजल की 15 पैसे तक बढ़ी। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 35 पैसे बढ़कर 100.56 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया। डीजल की कीमत भी नौ पैसे बढ़कर 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गई। पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ने का मौजूदा क्रम 04 मई को शुरू हुआ था। दिल्ली में मई और जून में पेट्रोल 8.41 रुपये और डीजल 8.45 रुपये महँगा हुआ था। जुलाई में पेट्रोल की कीमत 1.75 रुपये और डीजल की 46 पैसे प्रति लीटर बढ़ चुकी है। मुंबई में पेट्रोल के दाम में 34 पैसे और डीजल के दाम में नौ पैसे की वृद्धि की गई। वहाँ अब पेट्रोल 106.59 रुपये और डीजल 97.18 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सम्पादकीय.....

नये समीकरणों का मंत्रिपरिषद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिपरिषद के इस व्यापक विस्तार में जो सबसे प्रमुख बात सामने आती है, वह यह है कि इसमें सामाजिक एप्रोच लिया गया है और सोशल डिस्ट्रिब्यूशन की कोशिश की गयी है. इस विस्तार में पिछड़ी जातियों के मंत्रियों का बाहुल्य है. विभिन्न सामाजिक वर्गों के जो लोग मंत्री बनाये गये हैं, वे केवल उत्तर भारतीय राज्यों से नहीं हैं, बल्कि दक्षिण का भी उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व है.विभिन्न सामाजिक समूहों को जिस प्रकार से समुचित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है, वह बहुत महत्वपूर्ण है. मेरी दृष्टि में सोच–विचार के साथ लिया गया निर्णय है. भाजपा नेतृत्व ने यह भी दर्शाया है कि वे राम की राजनीति तो करते हैं, लेकिन मंडल की राजनीति पर भी कुछ पार्टियों, खास कर सोशलिस्ट पार्टियों, का विशेष कॉपीराइट नहीं है. नब्बे के दशक से आज बिल्कुल भिन्न स्थिति है. उस समय मंडल और कमंडल अलग धड़े हुआ करते थे. अब भाजपा राम मंदिर एजेंडे को पूरा कर चुकी है और मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है. इसके बाद वह सामाजिक समीकरणों की राजनीति को ठोस चुनौती दे रही है. भाजपा ने दिखाया है कि अकेले दम पर आगे बढ़ना हो या गठबंधनों के साथ, दोनों ही स्थितियों में पार्टी पहल कर सकती है. यह इस विस्तार का सबसे बड़ा संदेश है. इसके साथ यह भी संदेश साफ है कि मंत्रियों के कामकाज के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है. स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी की पैनी निगाह है. चाहे कोई कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो, प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि सबका साथ सबका विकास की भावना के साथ इन दो क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है. उन्होंने इस संबंध में पहलकदमी भी की है. हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिपरिषद का गठन कैसे किया है. यह भी नहीं समझा जाना चाहिए कि जो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं, उनमें से सभी का कामकाज खराब था. यह सही समझ नहीं होगी. यह मंत्रिपरिषद इंगित करता है कि भारत राज्यों का परिसंघ है. यह कैबिनेट देश की सामाजिक विविधता का भी संज्ञान लेता है. इससे यह भी संकेत मिलता है कि बदलाव के इस मोड़ पर आपको सामाजिक पिरामिड के अंतिम भाग को अहमियत देना होगा.एक हिसाब से देखा जाए, तो नये सिरे से मंत्रिमंडल का गठन हुआ है. पहले बोला जाता था कि 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' होगा, पर वे बातें पुरानी हो चुकी हैं. नयी वास्तविकताओं के अनुकूल निर्णय हो रहे हैं. पश्चिम बंगाल में हार के कारणों को उन्होंने समझने का प्रयास किया है. वहां के मटुआ समुदाय से प्रतिनिधित्व देना या अनुसूचित जनजाति के अल्पसंख्यक को मंत्रिमंडल में जगह देना इसके उदाहरण हैं. इससे पता चलता है कि सरकार व पार्टी के लिए देश का हर भूभाग और हर सामाजिक बिरादरी अहम है. इसके साथ ही, दूसरी पार्टियों से भाजपा में आये नेताओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है और पुरस्कृत किया गया, चाहे वे ज्योतिरादित्य सिंधिया हों या अन्नपूर्णा देवी हों. इस तरह से अब भाजपा के लिए कोई अछूता नहीं है. निश्चित रूप से यह एक नयी कैबिनेट है. इस बार बड़ी संख्या पहली बार मंत्री बनानेवालों की है. आनेवाले दिनों में देखना होगा कि बहुत सारे वरिष्ठ मंत्रियों को हटाने और नये चेहरों को जिम्मेदारी देने की कवायद जिस उद्देश्य से की गयी है, वह हासिल होता है या नहीं. इस मंत्रिपरिषद में अलग–अलग पृष्ठभूमि से आये लोग हैं।

आज का राशिफल

मेष :– कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें।

बृषभ :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। पीठ पीछे दूसरों की आलोचना न करें। घर में खुशहाली रहेगी।

मिथुन :– दूसरों की बात इधर से उधर न करें। निर्थक दूसरों की आलोचना न करें। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति न बनने दें।

कर्क :– कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव।

सिंह :– राजनीति से जुड़े लोग व्यस्तत रहेंगे। मित्रवत संबंधों का लाभ मिलेगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन लाभ से वंचित करेगा।

कन्या :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन में चिंता संभव। दूसरों की आलोचना न करें।

तुला :– नैतिक–अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। आर्थिक प्रगति होगी।

वृश्चिक :– जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

धनु :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीनता न आने दें। नौकरी का वातावरण अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है।

मकर :– अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव।

कुंभ :– किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे किंतु आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

मीन :– ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं हों बहाल

प्रसांता दास

हमें शिशु एवं मातृ मृत्यु को कम करने के कई वर्षों के प्रयासों एवं प्रगति को नष्ट नहीं होने देना चाहिए. हमें टेलीमेडिसिन की क्षमता का लाभ उठाने के लिए नये तरीके अपनाने की जरूरत है. इसके अलावा, सप्लाई चेन एवं औषधालय के विकल्प को विकसित करने के साथ–साथ असंक्रमण वाले रोगों के उपचार के लिए निजी क्षेत्र एवं समुदायों को बेहतर ढंग से शामिल करने की जरूरत है. महामारी की रोकथाम के एक मुख्य भाग के रूप में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखना महत्वपूर्ण है और हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े और इलाज की आवश्यकता होने पर गर्भवती महिलाओं, नवजात बच्चों एवं बुजुर्गों को विशेष देखभाल और इलाज मिल सके. आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति को बनाये रखने को लेकर हमें अपने साक्ष्य और ज्ञान के आधार को भी मजबूत करने की जरूरत है।

पिछले साल जब कोविड–19 महामारी की शुरुआत हुई, तो सभी संसाधनों का रुख उससे निबटने की ओर मोड़ दिया गया. इस वर्ष जनवरी में जब हालात थोड़े बेहतर होने लगे और पोलियो ड्राइव एवं नियमित टीकाकरण जैसे स्वास्थ्य सेवाओं को फिर से शुरू किया जा रहा था, तभी दुर्भाग्य से हमें दूसरी लहर का सामना करना पड़ा. अब दूसरी लहर के बाद ध्यान एक बार फिर कोविड–19 और लोगों की जान बचाने पर केंद्रित है. बेशक यह महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कई ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें कोविड केयर से इतर अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की भी जरूरत है, जैसे कि गर्भवती माताओं को नियमित तौर पर जांच एवं प्रसव के लिए अस्पताल एवं क्लिनिक में स्वास्थ्य सहायता की आवश्यकता है. इसी प्रकार बच्चों को नियमित टीकाकरण एवं विशेष नवजात देखभाल इकाई सुविधा की आवश्यकता है. इसके अलावा बुजुर्गों को स्वास्थ्य जांच एवं सर्जरी सुविधा आदि की भी जरूरत है. यह महत्वपूर्ण है कि महामारी के कारण बाधित स्वास्थ्य सेवाओं को एक बार फिर से शुरू करने प्रयासों में तेजी लाने तथा ऐसी स्थिति दुबारा पैदा न हो, इसके लिए हर संभव प्रयास करने की जरूरत है.कोविड–19 महामारी के बाद से स्वास्थ्यकर्मियों को पूरी तरीके से कोविड केयर में लगाने के बाद वैकल्पिक देखभाल सेवा को रद्द करने, ओपीडी सेवाओं को बंद करने तथा उपचार नीति में बदलाव के कारण आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच को बहुत प्रभावित किया है. इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित भौतिक पहुंच तथा वित्तीय कठिनाई ने भी सेवा को सीमित कर दिया है.लोग भौतिक रूप से स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे संक्रमित हो सकते हैं और इसकी चपेट में आकर अपनी जान भी गंवा सकते हैं. भारत में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव हेतु दी जानेवाली महत्वपूर्ण जीवन रक्षक सेवा दूसरी लहर में गंभीर रूप से कम हो गयी है. भारत में हर साल 2.7 करोड़ बच्चों का जन्म होता है. कोविड–19 के कारण चिकित्सा आपूर्ति शृंखला में व्यवधान पैदा होने एवं वित्तीय तथा मानव संसाधनों पर पड़नेवाले दबाव के कारण अन्य महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं, जैसे कि प्रसव पूर्व देखभाल सेवा तथा नवजातों एवं बच्चों को दी जानेवाली गहन देखभाल सेवाएं. इसका असर हमारे यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पड़ेगा. साल 2020 में कोविड के पहले लहर से प्राप्त आंकड़े संस्थागत प्रसव एवं बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण जैसी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान एवं गिरावट को दर्शाते हैं. कोविड की मौजूदा उछाल, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है, माताओं एवं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा में अधिक व्यवधान पैदा कर सकती है. कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में स्वास्थ्य सेवाओं में आये इस संकट के असर से माताओं एवं बच्चों को सुरक्षित किया जाना चाहिए. हमें शिशु एवं मातृ मृत्यु को कम करने के कई वर्षों के प्रयासों एवं प्रगति को नष्ट नहीं होने देना चाहिए. हमें टेलीमेडिसिन की क्षमता का लाभ उठाने के लिए नये तरीके अपनाने की जरूरत है. इसके अलावा, सप्लाई चेन एवं औषधालय के विकल्प को विकसित करने के साथ–साथ असंक्रमण वाले रोगों के उपचार के लिए निजी क्षेत्र एवं समुदायों को बेहतर ढंग से शामिल करने की जरूरत है. महामारी की रोकथाम के एक मुख्य भाग के रूप में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखना महत्वपूर्ण है और हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े और इलाज की आवश्यकता होने पर गर्भवती महिलाओं, नवजात बच्चों एवं बुजुर्गों को विशेष देखभाल और इलाज मिल सके. आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति को बनाये रखने को लेकर हमें अपने साक्ष्य और ज्ञान के आधार को भी मजबूत करने की जरूरत है. इसके अलावा, हमें महामारी से निपटने के साथ–साथ अपने पूर्व की उपलब्धियों को बनाये रखने को लेकर नये–नये प्रयोगों को जारी रखने हेतु अपने प्रयासों में तेजी लाना चाहिए. सामान्य हो रही स्थिति के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर ध्यान देने एवं इसे मजबूत बनाने की जरूरत है, ताकि स्वास्थ्य सेवा को जारी रखा जा सके. कोविड–19 के प्रसार ने आपात स्थिति में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के निर्माण एवं इसे मजबूती प्रदान करने के महत्व को दर्शाया है.हमें झारखंड में शिशु एवं मातृ देखभाल तथा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों की रक्षा के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बहाल करने एवं इसकी गति एवं पैमाने को बनाये रखने की जरूरत है. हमारी चुनौती वास्तव में बहुत बड़ी है, लेकिन मुझे यकीन है कि एकजुट होकर यदि कार्य किया जाए, तो उन सभी लोगों तक आवश्यक सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित किया जा सकता है, जिन्हें महामारी और उसके बाद की स्थिति में खुद को स्वस्थ एवं सक्रिय रहने हेतु उपयुक्त स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की आवश्यकता है।

एक पूर्व–घोषित हत्या का रोजनामचा

राजेंद्र शर्मा

भीमा–कोरेगांव प्रकरण में पूरे नौ महीने जेल में गुजारने के बाद, 84 वर्षीय जेसुएट पादरी, स्टेन स्वामी ने 5 जुलाई की दोपहर में मुंबई में दम तोड़ दिया। फादर स्वामी, साठ–सत्तर के दशक में लातीनी अमेरिका में उठी रैडीकल थियोलॉजी की लहर से गहराई से प्रभावित हुए थे, जो खासतौर पर गरीबों व वंचितों का परलोक संवारने से पहले, उनका इहलोक का जीवन संवारने में मदद करने को धर्म का और इसलिए खासतौर पर गिरजे तथा पादरियों का, जरूरी काम मानती थी। विदेश में पढ़ाई के दौरान वह इस लहर के संपर्क में आए थे और इस क्रम में उनकी दोस्ती, ब्राजील के बहुचर्चित कैथोलिक पादरी, हैल्डर कमारा से हुई थी, जिनका एक बहुचर्चित कथन है, जब मैं (गरीबों को) रोटी देता हूं, वो मुझे संत कहते हैं। जब मैं पूछता हूं कि वे गरीब क्यों हैं, वो मुझे कम्युनिस्ट कहते हैं।श इसी विचार के साथ स्वदेश वापस लौटने के बाद स्टेन स्वामी जल्द ही सबसे वंचित तबके, आदिवासियों के बीच काम करने के लिए, पश्चिमी सिंहभूमि के अंतर्गत चाइबासा में आ गए। इसके बाद से उन्होंने झारखंड को ही अपना घर बना लिया और आदिवासियों को श्अपने लोगश! स्टेन स्वामी, आखिरी वक्त तक हिरासत में थे और अपने वकीलों के माध्यम से जमानत के लिए लड़ ही रहे थे। लेकिन, यह सिर्फ हिरासत में मृत्यु का ही मामला नहीं है। उससे बढ़कर यह मौजूदा मोदी निजाम द्वारा और उसके राजनीतिक औजार की तरह काम कर रही एनआईए जैसी एजेंसी द्वारा इस बुजुर्ग, आदिवासियों के अधिकारों तथा आम तौर पर मानवाधिकारों की रक्षा के लिए काम करने वाले पादरी को, सोच–समझकर उठाए गए अपने कदमों से, मौत के मुंह में धकेल दिए जाने का ही मामला है। इसे संस्थागत हत्या कहा जाना पूरी तरह से उपयुक्त तो है, पर शायद यह शब्द भी स्थिति की गंभीरता को उसके पूरे आकार में व्यक्त नहीं कर पाता है। यह तो शासन के हाथों सोची–समझी, गैर–कानूनी हत्या का मामला है, जिसमें न्यायपालिका ने भी अपनी करनियों से बढ़कर अकरनियों से, उसकी मदद की है। इस हत्यारे खेल की शुरूआत तो तभी हो गई थी, जब 8 अक्टूबर 2020 को, कोविड–19 के प्रकोप के बीचों–बीच, तब 83 के इस बुजुर्ग पादरी को गिरफ्तार किया गया था, जो अपनी अधिक उम्र तथा पार्किंसन की बीमारी समेत अनेक रोगों से पीड़ित होने के चलते, कानून से भागने तो क्या, कहीं आने–जाने में भी असमर्थ था। गिरफ्तारी के अगले दिन, जब पहली बार उन्हें मुंबई में विशेष अदालत में पेश किया गया, उनके वकीलों ने अदालत को इसका ध्यान दिलाया कि पर्किन्सन से पीड़ित होने के चलते वह तो, हाथ में कलम पकड़कर वकालतनामे पर दस्तखत तक नहीं कर सकते थे। आखिरकार, वकालतनामे पर उनका अंगूठा ही लगवाना पड़ा था। फिर भी मोदी–शाह की एनआईए की जिद की वजह से उन्हें जेल में डाल दिया गया, जबकि एनआईए को किसी तरह की पूछताछ के लिए उनको उनको रिमांड पर लेने की जरूरत महसूस ही नहीं हुई थी। इसीलिए, उन्हें सीधे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह खेल उन्हें जेल आखिरी समय तक जेल में ही बंद रखने का था, इसका बाकायदा तब ऐलान कर दिया गया, जब 22 अक्टूबर को अदालत ने, स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अंतरिम जमानत दिए जाने की याचिका को, एनआईए की इस दलील के बाद ठुकरा दिया कि उनकी गिरफ्तारी यूएपीए के अंतर्गत होने के चलते, उन्हें अस्थायी जमानत दी ही नहीं जा सकती थी। उल्टे एनआईए ने उन पर ही श्महामारी का अनुचित फायदाश उठाने का आरोप लगा दिया और कहा कि अस्वस्थता की उनकी दलील तो श्महज एक बहानाश है, जिससे अंतरिम राहत पा सकें! शासन क्रूरता की हद यह थी कि पर्किंसन के चलते सामान्य तरीके से कुछ भी पीने–खाने में असमर्थता के चलते, जब स्टेन स्वामी की ओर से सिपर तथा स्ट्रा मुहैया कराए जाने की प्रार्थना की गई, एनआईए ने ऐसी कोई चीज जब्त ही नहीं करने के आधार पर ये मामूली चीजें तक मुहैया कराने से इंकार दिया। अदालत ने भी इस मामले पर विचार तीन हफ्ते के लिए टाल दिया। बाद में मीडिया में भारी शोर मचने के बाद ही, जेल प्रशासन द्वारा उन्हें सिपर तथा स्ट्रा मुहैया कराया गया। जेल में करीब डेढ़ महीना गुजारने के बाद, स्टेन स्वामी ने नवंबर के आखिर में नियमित जमानत की अर्जी दी। इस अर्जी में भी, इसका ध्यान दिलाने के अलावा कि उनके खिलाफ कोई साक्ष्य थे ही नहीं, उनकी वृद्घावस्था तथा अनेक बीमारियों से ग्रसित होने का भी जिक्र किया गया था। लेकिन, मार्च के आखिर में अदालत ने उनकी जमानत की याचिका यह कहते हुए ठुकरा दी कि उन पर आरोप इतने गंभीर थे कि उनकी वृद्घावस्था और उनकी कथित रुग्णता भी उन्हें जमानत नहीं दिला सकती थी। बाद में जब मुंबई हाई कोर्ट में जमानत की अपील की गई और एक बार फिर जेल में चिकित्सा सुविधाओं के अभाव, सामाजिक दूरी का पालन न हो पाने के कारण कोविड की जकड़ में आने के खतरे तथा पहले ही अनेक बीमारियों से ग्रसित होने का ध्यान दिलाया गया। पर जेल अधिकारियों की रिपोर्ट में और शासन के वकील द्वारा उनकी स्थिति ठीक–ठाक होने का और उन्हें ज्यादा प्रोटीन वाली खुराक दिए जाने का दावा किया गया। इसके बाद भी, हाई कोर्ट ने शासन द्वारा संचालित जे जे अस्पताल को एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने तथा स्टेन स्वामी के स्वास्थ्य की जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कह दिया।इसके दो दिन बाद, 21 मई को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए, हाई कोर्ट की वेकेशन बैंच के सामने जेल से ही अपनी पेशी में स्टेन स्वामी ने जेल में रहते हुए अपनी हालत के लगातार बद से बदतर होने की ही शिकायत नहीं की, इसकी भी प्रार्थना की कि उन्हें जमानत दी जाए ताकि वापस रांची जा सकें और श्अपने लोगों के साथश रह सकें। दूसरी ओर, स्वामी ने जे जे अस्पताल भेज दिए जाने के सुझाव को नामंजूर कर दिया। उनका कहना था कि वह उस अस्पताल में नहीं जाना चाहते और उसकी जगह तो श्तकलीफ ही सहनाश चाहेंगे। तभी उन्होंने अदालत को आगाह भी किया था कि अगर सब ऐसे ही चलता रहा तो, उनकी श्शायद बहुत जल्दी ही मौतश ही हो जाएगी। इसके डेढ़ महीने बाद, 5 जुलाई को सचमुच उनकी मृत्यु हो गई। जाहिर है कि यह मृत्यु के किसी पूर्वाभास का तो नहीं, पर इसके हताश अहसास का मामला जरूर था कि मोदी राज की दुर्भावना ने उन्हें मौत की कगार पर पहुंचा दिया था, जहां से वह मौत को एकदम सामने खड़ा देख सकते थे। दूसरी ओर, शासन उन्हें मौत की खाई में धकेलने पर ही तुला हुआ था। 28 मई को जब स्टेन स्वामी के वकील ने हाई कोर्ट को सूचित किया कि वह मुंबई के होली फेमिली अस्पताल में इलाज के लिए जाने के लिए तैयार हैं और इलाज का खर्चा भी वह खुद ही उठाएंगे, तब भी एनआईए ने स्वामी को उपचार के लिए इस निजी अस्पताल में जाने देने का विरोध किया था और इसकी दलील दी थी कि उन्हें सरकारी जे जे अस्पताल ही भेजा जाए। यह तब था जबकि उनकी हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि होली फेमिली अस्पताल में उन्हें पहुंचते ही आईसीयू में पहुंचा दिया गया। हाई कोर्ट ने उन्हें 15 दिन के लिए होली फेमिली अस्पताल ले जाने की इजाजत दी थी। जेल में कोरोना से संक्रमित होने की स्वामी की आशंका सही साबित हुई और 30 मई को ही उनके कोरोना पॉजिटिव होने का पता चल गया। उनकी स्थिति को देखते हुए, उनके वकील ने 10 जून को अदालत से उनके निजी अस्पताल में उपचार कराने की मोहलत बढ़ाने के लिए प्रार्थना की और अदालत ने 18 जून तक अवधि बढ़ा दी। इस अवधि के पूरी होने के एक दिन पहले, 17 जून को स्वामी के वकील ने हाई कोर्ट को सूचित किया कि उन्हें दोबारा आईसीयू में ले जाना पड़ा है और इसलिए उन्हें अभी होली फेमिली अस्पताल में ही रहने दिया जाए। हाई कोर्ट ने एनआईए से उसकी राय मांगी कि क्या स्वामी के स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए, सुनवाई को चार हफ्ते टाल दिया जाए। एनआईए ने अस्पताल के रिकार्ड देखकर, दो हफ्ते में जवाब देने की बात कही! इस आधार पर अदालत ने उपचार के लिए होली फेमिली अस्पताल में स्वामी के रहने की अवधि 3 जुलाई तक बढ़ा दी।

नयनतारा हो सकती हैं एटली की फिल्म में एसआरके की हीरोइन

शाहरुख ने इंडस्ट्री में 29 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं, जिनके दम पर वह आज तक प्रशंसकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। भले ही शाहरुख की पिछली फिल्में दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरीं, लेकिन इनसे उनका स्टारडम प्रभावित नहीं हुआ है। जल्द ही वह साउथ के लोकप्रिय निर्देशक एटली की फिल्म शुरू करेंगे। अब फिल्म की हीरोइन का चयन भी हो गया है। आइए जानते हैं क्या जानकारी मिली है। रिपोर्टों के मुताबिक साउथ की जानी–मानी अदाकारा नयनतारा को शाहरुख के साथ कास्ट किया गया है। दरअसल, फिल्म के निर्देशन की कमान एटली संभाल रहे हैं, जिनकी नयनतारा के साथ अच्छी दोस्ती है। फिल्म की हीरोइन के लिए एटली की पहली पसंद नयनतारा ही हैं। वह इस सिलसिले में लगातार उनसे बातचीत कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए नयनतारा पहली बार शाहरुख के साथ रोमांस करती दिखेंगी। यह एक मसाला एंटरटेनर फिल्म होगी। एटली और नयनतारा के बीच रिश्ते काफी अच्छे हैं। दोनों ने पहली बार रोमांटिक फैमिली फिल्म राजा रानी में साथ काम किया था, जिसके जरिए नयनतारा ने लोगों से खूब वाहवाही बटोरी थी। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी। इसके बाद दोनों तमिल स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म बिजिल के लिए साथ आए। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी। अब एक बार फिर एटली और नयनतारा साथ काम कर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं। नयनतारा साउथ का जाना–माना नाम हैं। वह साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। मीडिया रिपोर्टों में खुलासा हुआ था कि रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के लिए नयनतारा से संपर्क किया गया था। नयनतारा फिल्म में एक स्पेशल डांस नंबर करने वाली थीं। इस गाने को उनके एक्स बॉयफ्रेंड प्रभुदेवा ने कोरियोग्राफ किया था। लिहाजा नयनतारा ने फिल्म का हिस्सा बनने से मना कर दिया। शाहरुख जल्द ही निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म पठान में नजर आएंगे। वह राजकुमार हिरानी की फिल्म में भी काम कर रहे हैं। थ्रिलर फिल्में बनाने के लिए मशहूर राज एंड डीके की आगामी फिल्म में शाहरुख अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। निर्देशक संजय लीला भंसाली ने भी शाहरुख के साथ इजहार नाम की एक रोमांटिक फिल्म बनाने की प्लानिंग की है। सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख छोटी, लेकिन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

सोनम कपूर की ब्लाइंड ओटीटी पर होगी रिलीज, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से चल रही बातचीत

सोनम कपूर बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हैं। वह काफी समय से अपनी मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म ब्लाइंड को लेकर सुर्खियों में हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक ताजा जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो इस फिल्म को थिएटर के बजाय सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि कोरोना के हालात को देखते हुए मेकर्स ने इस तरह का फैसला लिया है। फिल्म में सोनम लीड रोल में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सोनम की फिल्म ब्लाइंड को अब सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का विचार किया जा रहा है। ब्लाइंड एक कोरियन मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसकी हिन्दी रीमेक में सोनम मुख्य भूमिका में दिखेंगी। वह करीब दो सालों से फिल्मी पर्दे से दूर हैं। वह आखिरी बार साल 2019 में आई फिल्म द जोया फैक्टर में नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा ने किया था। ब्लाइंड की हिन्दी रीमेक का निर्माण सुजॉय घोष द्वारा किया गया है। फिल्म को थिएटर में ही रिलीज करने के लिए बनाया गया था, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसकी डिजिटल रिलीज की चर्चा चल रही है। सूत्र ने बताया, सुजॉय पहले ब्लाइंड को थिएटर में रिलीज करने के लिए इंतजार करने वाले थे। जिस तरह से फिल्म बनकर तैयार हुई है, उसको देखते हुए वह बहुत खुश हुए थे और इसे थिएटर में रिलीज करना चाह रहे थे। सूत्र ने आगे बताया कि कोरोना वायरस की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए थिएटर के पूरी तरह खुलने के आसार नहीं हैं। खबरों की मानें तो मेकर्स अब और फिल्म की रिलीज के लिए इंतजार करने के मूड में नहीं हैं। इस फिल्म की डिजिटल रिलीज के लिए तीन बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से बातचीत चल रही है। कहा जा रहा है कि जैसे ही कोई अच्छा सौदा हाथ लगेगा, मेकर्स फिल्म की डिजिटल रिलीज का फैसला कर लेंगे। ब्लाइंड प्रारंभिक तौर पर 10 अगस्त, 2011 को साउथ कोरिया में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन आह संग हूं ने किया था। फिल्म में एक अंधी महिला हिट–एंड–रन मामले की गवाही देती है। इसके बाद उसे हत्यारे का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। सूत्र ने कहा, फिल्म ब्लाइंड के साथ सोनम ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू करेंगी। ओटीटी रिलीज एकदम सही कदम होगा क्योंकि यह एक कम बजट की फिल्म है। इस लिहाज से यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आसानी से पैसा वसूल कर लेगी। थिएटर का बिजनेस वैसे भी मौजूदा हालात में बहुत जोखिम भरा है। इसलिए यह एक सही कदम होगा। उम्मीद है कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक ऐलान किया जाएगा।

सिजलिंग अदाओं से हुमा कुरैशी ने बरपाया कहर, तेजी से वायरल हो रही तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपनी वेब सीरीज महारानी से सभी को काफी इम्प्रेस किया है। उनके शानदार अभिनय को काफी पसंद किया गया। जिसके बाद अब हुमा ने सोशल मीडिया अपना ग्लैमरस अवतार दिखाया है। हुमा का ये लुक सभी को खूब पसंद आ रहा है। हुमा ने अपनी बोल्ड तस्वीरों से सबके होश उड़ा दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं जिसमें उन्होंने ऑलिव ग्रीन रंग का स्विमसूट पहना है। हुमा के इस बोल्ड फोटोशूट ने इंटरनेट का पारा चढ़ा दिया है। लोग उनके सिजलिंग अंदाज पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। बता दें कि हुमा की ये तस्वीरें खूब वायरल भी हो रही है। आपको बता दे हुमा ने अपने अभिनय की शुरुआत साल 2012 में की थी। उन्होंने सबसे पहले अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म श्गैंग्स ऑफ वासेपुर –भाग 1च्य में अभिनय किया था। हुमा कुरैशी की वेब सीरीज श्महारानीच्य हाल ही में सोनी लिव पर रिलीज हुई है।

इंस्टाग्राम पर वाणी कपूर ने बोल्ड अदाओं से लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर इंस्टाग्राम पर आज किसी सेंसेशन से कम नहीं हैं। वाणी कपूर का इंस्टाग्राम बोल्ड फोटोज से भरा पड़ा है, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी कुछ बोल्ड फोटोज, जिन्हें देख आपकी आंखें खुली की खुली रह जाएंगीं।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

6

कुशीनगर शनिवार, 10 जुलाई 2021

देसी शराब की दुकान चलाने वाले कर रहे हैं मनमानी

– नियम की उड़ा रहे धज्जियां सुबह 3रू00 बजे से ही शराब बेचना शुरू

अमिट रेखा शक्ति ओम सिंह

खजनी गोरखपुर। बांसगांव थाना क्षेत्र हल्का नंबर 3 बढ़नी चौराहे पर देसी शराब की दुकान चलाने वाले मुनीम सुबह 3 बजे से ही देसी शराब की दुकान खोल कर ग्राहकों को शराब देते हैं नियम की धज्जियां तोड़कर पैसा कमाने में लगे। देसी शराब पीने वालों का कहना है बढ़नी चौराहे पर देसी शराब चलाने वाले मुनिब शराब के मूल्य से लेता है अधिक दाम सूत्रों से खबर मिली बढ़नी चौराहे पर देसी शराब में होती है मिलावट ऐसे लोगों को खिलाफ होनी चाहिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई।

ब्लॉक प्रमुख के चुनाव के लिए भटनी ब्लॉक पर तीन पर्चे दाखिल

अमिट रेखा तहसील प्रभारी

देवरिया। दिन शनिवार को होनेवाला ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में बृहस्पतिवार को भटनी ब्लॉक पर ब्लॉक प्रमुख पद के लिए पर्चा दाखिला हुआ। पर्चा दाखिला के दौरान ब्लाक मुख्यालय पर काफी गहमा गहमी रही। इस दौरान एक पत्रकार भी पिट गया जबकि पुलिस मूक दर्शक बनी दिखी। हंगामों के बीच दिन के 12.30 बजे पर सपा के दो व भाजपा से एक उम्मीदवार ने अपना पर्चा भरा । सपा से रनिया देवी व रमाशंकर यादव ने नामांकन किया। वही भाजपा उम्मीदवार मानवेन्द्र नाथ तिवारी ने पर्चा दाखिल किया। हल्की बारिशों के बीच ब्लॉक मुख्यालय पर ब्लॉक प्रमुख पद के लिये पर्चा दाखिला के दौरान खूब हंगामा हुआ। इस दौरान वीडियो बना रहे एक पत्रकार प्रत्याशी के समर्थको का कोप भाजन बन गए और पिट गए। पुलिस के खिलाफ भी एक प्रत्याशी के समर्थकों ने जमकर ब्लाक गेट पर नारेबाजी की और पुलिस लाचार देखती रही । पर्चा दाखिला के दौरान सीओ एवं भटनी पुलिस पुरी मुस्तैदी से जमे रहे।

जिलाधिकारी के साथ पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र भ्रमण कर लिया जायजा

– चुनाव के मद्देनजर व्यवस्थाओं को चाक चौबंद किये जाने का दिए निर्देश

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में क्षेत्र पंचायत चुनाव के मद्देनजर जिलाधिकारी एस0 राजलिंगम व पुलिस अधीक्षक सचिन्द्र पटेल के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस संदर्भ में वे रामकोला एवं कसया विकास खंड कार्यालय पहुंचे। वहां पर चुनावी तैयारियों को देखी, सीसीटीवी कैमरा, रास्ता, वीडियोग्राफी इन सब मुद्दों पर आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारी को प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए बताया की बैरिकेडिंग मजबूत होना चाहिए।संबंधित ए आर ओ से बात करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि वोटिंग का मिलान सही तरीके से किया जाए ।वीडियोग्राफी लगातार हो पुलिस अधीक्षक द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि 200 मीटर की परिधि के अंदर सारे कार्यालय चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने तक बंद रहेंगे। कोई व्यक्ति या भीड़ इकट्ठा नहीं होनी चाहिए।

भाजपा ने घोषित किया दुदही ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी

अमिट रेखा – राकेश कुमार वर्मा

दुदही – कुशीनगर। विकास खंड दुदही में बीते गुरुवार को हुए ब्लाक प्रमुख पद के नामांकन में दोनों प्रत्याशी रामावती देवी पत्नी लल्लन गोड़ एवं माला देवी पत्नी सुनील गोड़ ने अपना नामांकन भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर किया। परंतु शुक्रवार को काफी मंथन के बाद भाजपा ने अपना प्रमुख पद का प्रत्याशी रामावती देवी पत्नी लल्लन गोड़ को नियुक्त किया। दोनों प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 10 तारीख को होना है। विकास खंड दुदही में कुल क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संख्या 139 है। सूत्रों की मानें तो दोनों ही प्रत्याशी अपने–अपने जीत का दावा कर रहे हैं। अब देखना यह है कि किस्मत किसका साथ देता है और प्रमुख का ताज किसके माथे पर होता है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष प्रजापति को बदमाशों ने किया अपहरण, जांच में जुटी पुलिस

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

देवरिया। जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ब्लॉक प्रमुख चुनाव में प्रशासन सत्ताधारी प्रत्याशियों का पैरोकार बन गया है। शुक्रवार को मदनपुर थाना क्षेत्र के पकड़ी बाजार के निकट मानस इंटर कॉलेज के पास से लग्जरी वाहन सवार दस से अधिक की संख्या में आए बदमाशों ने भलुअनी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष प्रजापति को तकरीबन एक बजे पिटाई कर अपहरण कर लिया।घटना के विरोध में लोगों ने पकड़ी बाजार में जाम लगा दिया। हरकत में आई मदनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और समझा बुझाकर मामला शांत कराया। उधर पुलिस के सक्रिय होने की भनक के बाद बदमाश बेलड़ाड़ रोड पर पूर्व प्रमुख को छोड़कर फरार हो भलुअनी विकास खंड से ब्लॉक प्रमुख का चुनाव मुन्नी देवी और छद्दू यादव लड़ रहे हैं। मुन्नी भाजपा की जहां अधिकृत उम्मीदवार हैं, वहीं छद्दू भाजपा के बागी उम्मीदवार हैं। नगवा निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष प्रजापति, क्षेत्र पंचायत सदस्य गणेश यादव, कमलेश सिंह, गिरिजेश यादव आदि के साथ स्कार्पियों से कहीं जा रहे थे।आरोप है कि इसी बीच पांच लग्जरी वाहन से भाजपा प्रत्याशी के पति समेत आठ से दस की संख्या में बदमाश पहुंचे और उन्होंने संतोष प्रजापति की पिटाई कर अपने गाड़ी में जबरन बैठा कर लेकर चले गए। इसकी सूचना उनके साथ के लोगों ने पुलिस एवं अन्य अधिकारियों को देने के बाद मौके पर जाम लगा दिया।जाम लगाएं जाने के बाद पुलिस पहुंची तो बदमाशों ने पूर्व ब्लाक प्रमुख को बेलड़ाड रोड पर लाकर छोड़ फरार हो गए। इस मामले में छह नामजद सहित दस लोगों के खिलाफ मदनपुर पुलिस को तहरीर दी गई है। एसपी डा.श्रीपति मिश्र ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा कदम

लखनऊ। करीब 25 करोड़ की आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में योगी सरकार नई जनसंख्या नीति पर काम कर रही है। सरकार ने दूसरे राज्यों की जनसंख्या नीति का अध ययन करने के बाद अब 11 जुलाई को नई जनसंख्या नीति घोषित करने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि साल 2021–30 की अवधि के लिए प्रस्तावित नीति के माध्यम से परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत जारी गर्भ निरोधक उपायों की सुलभता को बढ़ाया जाना और सुरक्षित गर्भपात की समुचित व्यवस्था देने की कोशिश होगी। यह नीति अमल में आने के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नवजात मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर को कम करने का प्रयास होगा। साथ ही नपुंसकता–बांझपन की समस्या के समाधान उपलब्ध कराते हुए जनसंख्या रोकने के प्रयास भी किए जाएंगे। नई नीति में 11 से 19 साल के किशोरों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन करने पर जोर होगा। बुजुर्गों की देखभाल के लिए व्यापक व्यवस्था करना भी अहम मुद्दा है। 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवीन जनसंख्या नीति 2021–30 जारी करेंगे। नई नीति में 2026 और 2030 तक के लिए दो चरणों में अलग–अलग मानकों पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। नई नीति में 2026 और 2030 तक के लिए दो चरणों में अलग–अलग मानकों पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। आबादी के लिए गरीबी और अशिक्षा बड़ा कारण मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोकभवन में नई जनसंख्या नीति 2021–30 का मसौदा पेश किया है। उन्होंने कहा, आबादी विस्तार के लिए गरीबी और अशिक्षा बड़ा कारण है। समुदायों में भी जनसंख्या को लेकर जागरूकता का अभाव है। ऐसे में समुदाय केंद्रित जागरूकता प्रयास की जरूरत है। प्रदेश की मौजूदा जनसंख्या नीति 2000–16 की अवधि समाप्त हो चुकी है। अब नई नीति समय की मांग है। डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत नवजातों, किशोरों और वृद्धजनों की डिजिटल ट्रैकिंग की व्यवस्था की जाएगी। नई नीति में 11 से 19 वर्ष के किशोरों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन के अलावा, बुजुर्गों की देखभाल को अहमियत। गर्भ निरोधक उपायों की सुलभता को बढ़ाया जाना और सुरक्षित गर्भपात की समुचित व्यवस्था देने की कोशिश होगी। इससे पहले अपर मुख्य सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि जनसंख्या नीति प्रदेश में एनएफएचएस–04 (नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे) सहित अनेक रिपोर्ट के अध ययन के बाद तैयार की जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–05 की रिपोर्ट जल्द ही जारी होने वाली है। नई नीति जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों को तेज करने वाली होगी। इसमें 2026 और 2030 तक के लिए दो चरणों में अलग–अलग मानकों पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

वेतन विसंगतियों के निवारण न होने से पावर कारपोरेशन कर्मियों में आक्रोष

लखनऊ, (यूएनएस)। विगत कई वर्षों से पावर कारपोरेशन मुख्यालय के कर्मचारियों को खुद विभाग के ही अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते एक पद एक समान वेतन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते पावर कारपोरेशन के कर्मचारियों में खासा आक्रोश व्याप्त है। वे पूरी तरह से वेतन विसंगतियों के खिलाफ आन्दोलन करने के मूड में है। सेवा निवृत समीक्षा अधिकारी योगेन्द्र नाथ शर्मा के अनुसार वेतन की विसंगतियों के निवारण हेतु दो–दो समिमियों का गठन भी किया गया। परन्तु समितियों की सिफारिशों को पावर कार्पोरेशन के अधिकारियों ने लागू नहीं किया। इस सम्बन्धमें मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री, विधि व न्याय मंत्री सहित पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष,प्रबन्ध निदेशक को आईजीआरएस के माध्यम से सैकड़ों बार पत्र भेजे जा चुके है। साथ ही वेतन विस्रगतियों के निवारण के लिये निरन्तर अनुरोध भी किया जाता रहा है। परन्तु इतना समय बीतने के बाद भी कही से कोई न्याय नही मिल पा रहा है। जिसको देखते हुये कोई सुनवाई न होने के कारण पावर कारपोरेशन के कर्मचारियों के पास आन्दोलन के अलावा अब कोई रास्ता नहीं है।

लोक शक्ति पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन की वर्चुअल बैठक संपन्न

लखनऊ, (यूएनएस)। लोक शक्ति पार्टी उत्तर प्रदेश के संगठन की वर्चुअल बैठक संपन्न हुई बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन विस्तार एवं अगामी विधानसभा चुनाव रहा स बैठक मे पार्टी के राष्ट्रीय अध यक्ष पवन कुमार ,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ,प्रदेश उपाध्यक्ष जे पी मालिक ,उपाध्यक्ष कन्हैया कुमार ,सोनभद्र जिलाध्यक्ष मनीष भारद्वाज ,मिर्जापुर जिलाध्यक्ष कल्याण सिंह ,सुनील पटेल ,नवीन गुप्ता ,इश्माइल ,उपाध्यक्ष रतन सिंह ठाकुर ,धनंजय यादव ,केदार जी ,प्रिंस कुमार ,रजनीश सिंह तोमर ने अपनी बात रखी। बैठक मे यह तय किया गया की बहुत जल्द ही विशाल कार्यकर्त्ता सम्मेलन किया जाएगा उसके उपरांत जनसम्पर्क अभियान चलाया जायेगा। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार ने कहा कि प्रदेश हालत बद से बत्तर हो चुकी है बिजली की महंगाई से जनता तबाह हो चुकी है किसान आँदोलन पर बैठे है डीजल और पेट्रोल के दाम सतक लगा चुका है इसलिए इन सब मुद्दों को लेकर आँदोलन के लिए तैयार रहना होगा।

पीजीआई पहुंचे शहनवाज हुसैन, जाना कल्याण सिंह का हाल

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की हालचाल जानने के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन पीजीआई लखनऊ पहुंचे। डॉक्टरों से मुलाकात कर उनकी सेहत के बारे में जानकारी प्राप्त की। कल्याण सिंह को संक्रमण और चेतना का स्तर कम होने के कारण 4 जुलाई की शाम को आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने एक बयान में कहा कि क्रिटिकल केयर मेडिसिन के आईसीयू में भर्ती कल्याण सिंह की हालत बेहतर है। वह हेमोडायनामिक रूप से स्थिर है। वह लगातार सुधार दिखा रहा है और उसके महत्वपूर्ण पैरामीटर स्थिर हैं। सीसीएम, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के वरिष्ठ संकाय द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। इससे पहले उनका इलाज डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में चल रहा था। फिलहाल उनकी सेहत में सुधार हो रहा है।

यूपी पंचायत चुनाव में हिंसा को लेकर मायावती बीजेपी से ज्यादा सपा पर हमलावर, पूछा-अब कहां गया हल्ला बोल तेवर

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष और उसके बाद ब्लॉक प्रमुख चुनावों को लेकर बीजेपी–सपा के बीच छिड़े घमासान को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने दोनों दलों पर हमला बोला है। मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने इसी तरह की आशंका के चलते यह चुनाव नहीं लड़ा। मायावती ने ट्वीट के जरिए सपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में भी ऐसा ही होता था। इन्हीं वजहों से बसपा ने यह चुनाव नहीं लड़ा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर उनकी पार्टी सपा पर तंज कसते हुए कहा कि अब उनका हल्लाबोल तेवर कहां गया। एक के बाद एक तीन ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि यूपी पंचायत चुनाव में भाजपा द्वारा पहले जिला पंचायत अध्यक्ष व अब ब्लाक प्रमुख के चुनाव के दौरान भी सत्ता और धनबल का घोर दुरुपयोग और हिंसा आदि जो हो रही है वह सपा शासन की ऐसी अनेकों यादें ताजा कराता है। इसीलिए बीएसपी ने इन दोनों अप्रत्यक्ष चुनावों को नहीं लड़ने का फैसला लिया। बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि अब यूपी विधानसभा का चुनाव निकट है तब भाजपा सरकार के विरूद्ध सपा जो जुबानी विरोध व आक्रामकता दिखा रही है वह घोर छलावा व अविश्वसनीय, क्योंकि इन्हीं सब सत्ता के दुरुपयोग व हर कीमत पर चुनाव जीतने आदि के लिए सपा का पूरा शासनकाल काफी चर्चाओं में रहा।

ठाकुरगंज पुलिस ने पकड़ा ई रिक्शा चोर ई रिक्शा और बैटरियां बरामद

आशियाना पुलिस को मिली सफलता नशे के दो सौदागर गिरफ्तार

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ कमिश्नरेट की आशियाना और ठाकुरगंज पुलिस को कामयाबी मिली है। आशियाना पुलिस ने नशे को दो सौदागरो को गिरफ्तार किया तो ठाकुरगंज पुलिस ने चोरी के एक ई रिक्शा के साथ चोर को गिरफ्तार करने मे कामयाबी हासिल की है। आशियाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान नशें के दौ सौदागरो फरीदपुर आजमगढ़ के रहने वाले 25 वर्षीय अक्षय मौर्या और गददीपुर पेवई आजमगढ़ के रहने वाले 23 वर्षीय शिवा प्रजापति को गिरफ्तार कर 5 किलो गांजा और एक सफेद रंग की होन्डा सिटी कार बरामद की है। गिरफ्तार किए गए गांजा तस्कर होन्डा सिटी कार मे गांजा रख कर कही बेचने के लिए जा रहे थे पुलिस को समय से सूचना मिल गई और पुलिस ने नशे के दोनो सौदागरो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजा तस्करो के पास से बरामद हुआ 5 किलो गांजा ये लोग कहा से लाए थे और इन लोगो के सम्पर्क मे नशे का कारोबार करने वाले और कितने लोग है। वहीं ठाकुरगंज पुलिस के द्वारा भूवर पुल के नीचे रेलवे लाईन के पास से मोअज्जम नगर गुलाब नगर सआदतगंज के रहने वाले मुन्नू उर्फ रिंकू अंसारी को चोरी के एक ई रिक्शा और ई रिक्शा की दो चोरी की बैटरियो के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुन्नू उर्फ रिंकू अन्सारी के द्वारा बुद्धवार को आलमबाग के ग्रीन वे स्कूल के पास ई रिक्शा चोरी किया गया था। पुलिस अब ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मुन्नू के पास से बरामद ई रिक्शा की दो बैटरिया कहा से और कब चुराई गई थी पुलिस ये भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि रिंकू के साथ चोरी की इस घटना मे कोई और शामिल था या नही और रिंकू के द्वारा इससे पहले चोरी की कोई घटना अन्जाम दी गई थी या चोरी की उसके द्वारा अन्जाम दी गई ये पहली घटनाए है।

यूपी में ब्लॉक प्रमुख चुनाव पर घमासान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख चुनाव के नामांकन में गुरुवार को 16 जिलों में जमकर बवाल हुआ। इसको लेकर भाजपा सरकार विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। शुक्रवार को अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस कर कहा कि ब्लॉक प्रमुख चुनाव में प्रशासन गुंडों के साथ खड़ा है। महिलाओं का अपमान किया गया। भाजपा ने गुंडों को छूट दे रखी है। अफसरों ने मोबाइल बंद किया था। ऐसे अफसरों की सपा सूची बना रही है। अखिलेश बोले– मुख्यमंत्री के इशारे पर हिंसा अखिलेश यादव ने सवाल पूछा कि आखिर कौन से लोग हैं जो हिम्मत बढ़ा रहे हैं, जो गुंडों के बल पर नामांकन नहीं करने दे रहे हैं? प्रयागराज की महिला के पूरे परिवार के साथ हम खड़े हैं, भाजपा पार्टी जो चाल चरित्र चेहरे की बात करती है, उसका नकाब उतर गया। महिला का पर्स चोरी हुआ है। अपमान किया गया है। यह जो पूरा का पूरा हुआ यह मुख्यमंत्री जी के इशारे पर हुआ है। मुख्यमंत्रीजी उत्तर प्रदेश में कुछ गुंडों को बढ़ावा दे रहे हैं। आने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता इनको सबक सिखाएगी। अखिलेश यादव ने कहा, मैंने माता प्रसाद पांडेय से बात की। उन्हें अपमानित किया गया। माता प्रसाद नामांकन नहीं कर पाए। समाजवादी पार्टी ने विकास करके दिखाया है। भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री काम बताने के लिए कुछ नहीं है, केवल अपनी ताकत से गिनती बढ़ाना चाहते हैं, जिला पंचायत जनता ने हरा दिया। ब्लॉक प्रमुख चुनाव में हिंसा, धांधली को लेकर 11 जुलाई को सपा का पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी। कार्यकर्ता राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रदर्शन होगा। मायावती ने कहा– सपा अब तक निष्क्रिय क्यों? वहीं, बसपा अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए सपा के शासनकाल को जिक्र करते हुए योगी सरकार पर हमला किया। उन्होंने लिखा, यूपी पंचायत चुनाव में भाजपा के द्वारा पहले जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के चुनाव के दौरान सत्ता व धनबल का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह हिंसा सपा शासनकाल की अनेकों यादों को ताजा कर आती हैं। इसीलिए बसपा ने इन दोनों अप्रत्यक्ष चुनाव को नहीं लड़ने का फैसला लिया। और क्या कहा? अब यूपी विधानसभा का चुनाव निकट है, तब भाजपा सरकार के खिलाफ सपा जो जुबानी विरोध व आक्रामकता दिखा रही है। वह घोर छलावा व अविश्वसनीय है। क्योंकि, इन्हीं सब सत्ता के दुरुपयोग व हर कीमत पर चुनाव जीतने आदि के लिए सपा का पूरा शासनकाल काफी चर्चाओं में रहा। जनता कुछ भी नहीं भूली। साथ ही, बात–बात पर 'हल्लाबोल' के तेवर वाली सपा यहां के गरीबों, किसानों व बेरोजगारों आदि के अधिकारों तथा दलितों, पिछड़ों व मुस्लिम समाज के ऊपर यहां लगातार हो रहे अन्याय–अत्याचार व हिंसा आदि पर अभी तक निष्क्रिय क्यों रही है? यह भी सोचने की बात है। मायावती के बयान पर अखिलेश का पलटवार बसपा अध्यक्ष के बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा– मैं मायावती के बयान पर कुछ नहीं कहना चाहता हूं। जमीन पर कौन काम कर रहा है मैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर कितने मुकदमे दर्ज किए गए। कितने धरना दिया जा रहा है, पुलिस कितने गलत व्यवहार कर रही है। मकान गिराए जा रहे हैं, समाजवादी पार्टी नेता हर मुद्दे पर संघर्ष कर रही है। विपक्ष हमलावार हुआ तो योगी ने दिखाई सख्ती गुरुवार को नामांकन के दौरान हुए बवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने शुक्रवार को टीम–9 के साथ बैठक में जिम्मेदार अधिकारियों और माहौल बिगाड़ने पर कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

7

कुशीनगर शनिवार, 10 जुलाई 2021

बारिश के मौसम में भी टीकाकरण के लिए उमड़ी भीड़, कोविड के नियमों का हुआ उल्लंघन

अमिट रेखा मेहरौना लार

सिवान, सरकार की पहल के बाद आखिरकार लोगों में जागरूकता आ गया है. वैक्सीन लेने के लिए अब टीकाकरण

केंद्रों पर लंबी–लंबी कतारें देखने को मिल रहा है. खास बात यह है कि 18 प्लस युवाओ वैक्सीन के लिए बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रहे है. इसी कड़ी में मैरवा नगर के मझौली चौक के समीप स्थित स्तरोन्नत मध्य विद्यालय मैी गुरुवार को हो रही बारिश के मौसम में सैकड़ों लोगों की भीड़ वैक्सीन लेने के लिए उमड़ पड़ी। परंतु मैरवा के स्तरोन्नत मध्य विद्यालय में वैक्सीन लेने पहुंचे सैकड़ों लोगों ने मास्क नहीं पहना था और ना ही दो गज दूरी का ध्यान रखा था. ऐसी स्थिति तीसरी लहर को दावत देता है. मास्क बिना पहने लोगो से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा टीकाकरण केंद्रों पर कोई व्यवस्था नहीं है. आनन–फानन में लोग टीकाकरण कराने को मजबूर है।

ग्राम प्रधान ने किया वृक्षारोपण

अमित रेखा –नन्हे तिवारी

बघौचघाट – देवरिया। जनपद कुशीनगर के विकासखंड फाजिलनगर के ग्राम सभा शेरपुर बडहरा के ग्राम प्रधान सुरेश

प्रसाद ने अपने ग्राम सभा के मुसहर टोला प्राइमरी पाठशाला शेरपुर बडहरा मे एवं जूनियर हाई स्कूल में वृक्षारोपण किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान ने कहा कि वृक्ष लगाना हर भारतीय का कर्तव्य है इससे पर्यावरण शुद्ध होगा। ग्राम प्रधान द्वारा आम,नीम ,सफेदा और अर्जुन के वृक्ष लगाए गए। इस मौके पर प्रधानाध्यापक अच्छेलाल, सहायक अध्यापक आयुषी, यूपीएस प्रभारी सतीश राय,सफाई कर्मी लव कुश चौबे आदि लोग मौजूद रहे।

बिजली विभाग में शाम छ से रात दस बजे तक उपकेंद्र और फील्ड में रहेंगे जेई, एसडीओ और एक्सईएन

– उत्तरप्रदेश में भीषण गर्मी में हो रही लगातार बिजली कटौती को लेकर शासन ने नया फरमान किया जारी

अमिट रेखा – कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज – कुशीनगर। जारी किए गए निर्देश के मुताबिक पीक ऑवर (शाम छह से रात 10 बजे तक) में सभी जेई अपने–अपने उपकेंद्र पर तैनात रहेंगे वहीं एसडीओ और अधिशासी अभियंता इस दौरान फील्ड में रहेंगे। लोकल फाल्ट और फीडर ट्रिपिंग के कारण लगातार हो रही घण्टों कटौती को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंगलवार रात 8 बजकर 30 मिनट पर ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक को आदेश दिया है ।आदेश मिलने के बाद पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विद्याभूषण ने देर रात इसे लागू करवाया। निर्देश के सम्बंध में पीपी सिंह (निदेशक तकनीक) ने बताया कि जनता लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ट्वीट करके बिजली संकट दूर करने के लिए गुहार लगा रही थी जिसे देखते हुए इस तरह का फैसला लिया गया है । क्षेत्रों में दिन ढलते ही लोड बढ़ जाता है इस कारण लोकल फाल्ट आने शुरू हो जाते हैं जिसे ठीक करने में संविदाकर्मियों को घण्टों समय लग जाता है जिससे जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है आमजन को बिजली संकट से छुटकारा दिलाने के लिए इस तरह की योजना बनाई गई है जिसके अनुसार लोकल फाल्ट तुरंत ठीक कराना होगा और बड़े फाल्ट को ठीक करने के लिए अधिकतम 24–घण्टे मिलेंगे जिसकी निगरानी मुख्यालय से की जाएगी यदि इसमें कोई अधिकारी किसी तरह की लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी योजना के पीछे तर्क है कि यदि जेई उपकेंद्र में और एसडीओ फील्ड में रहेंगे तो संविदा लाइनमैन मनमानी नहीं करेंगे फाल्ट आने पर उसे जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास भी किया जाएगा नए निर्देश के मुताबिक पीक ऑवर के दौरान आए फाल्ट और बिजली कटौती का समय, कटौती के दौरान क्या–क्या कार्यवाही हुई इन सभी तथ्यों का विवरण सभी जेई अपने एसडीओ को और सभी एसडीओ अपने अधिशासी अभियंता को देंगे फिर अधिशासी अभियंता इसे निर्धारित प्रारूप के अनुसार भरकर अपने अधीक्षण अभियंता को देंगे जिसे वह प्रबंध निदेशक को भेजेंगे यह प्रारूप प्रतिदिन भरना है।

पत्रकार के घर में अज्ञात कारणों से नकदी समेत हुआ लाखों का नुकसान,गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख।

अमिट रेखा प्रतापगढ व्यूरो

थाना सांगीपुर के ग्राम पूरे नेवल निवासी वरिष्ठ पत्रकार डा. आर.आर.पाण्डेय के घर में वृहस्पतवार की अपरान्ह पिछवाडेघ से संदिग्ध परिस्थितियों आग लगाई जिसमे लाखों के इलेक्टानिक उपकरण व पचास हजार नकदी समेत गृहस्थी के सामान आग की लपटों में स्वाहा हो गया।सूचना पर फायर ब्रिगेड साँगीपुर ने पहुँचकर आग को काबू किया। नुकसान का आकलन करें तो लगभग तीन से साढेघ तीन लाख के नुकसान की आशंका घर वालों ने ब्यक्त की है।आग लगने का कारण घर वालों ने प्रधानी के चुनावी रंजिश बताई।

महिला को मारपीट कर उसके आभूषण छीने कोतवाली में तहरीर

अमिट रेखा प्रतापगढ व्यूरो। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के अमुवाही गांव में महिला को मारपीट के दौरान उसके आभूषण छीने तथा बेटी के कपड़े भी फाडे,कोतवाली मे तहरीर। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गांव अमुवाही निवासी साबित्र पत्नी मोतीलाल ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपित किया है मेरे गांव के दबंग लोगों ने मुझे जमकर मारापीटा, मारपीट के दौरान मेरे आभूषण भी छीन , पुलिस मामले की जांच में जुटी।

लाइनमैन के सिट डाउन लेने पर भी एसएसओ ने लगा दी लाइट- लाइन मैन की हुई मौत

अमिट रेखा रोहित सिंह

ब्यूरो अयोध्या। संविदा लाइनमैन की लाइन ठीक करते समय करंट की चपेट में आने से मौत हो गई हैरिंग्टनगंज विद्युत उपकेंद्र के कोंछा फीडर पर काम करते समय यह घटना हुई है। इनायतनगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी से डेढ़ किलोमीटर पर घटना को देखकर लोग उग्र थे। इस बीच सबसे बड़ी बात यह रही कि घटना के दो घंटे बाद भी इलाकाई पुलिस नही गई। हैरिंग्टनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाइनमैन ने तोड़ा दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य केन्द्र पर लगी हजारों की भीड़ परिवार वालों को जानकारी होने पर दुख का पहाड़ टूट गया , गांव और क्षेत्र में शोक की लहर छा गयी। ब्लॉक की तरफ जानी वाला रास्ता भीड़ से जाम हो गई। बताया जा रहा है कि सिट्डाउन लेने के बाद भी एसएसओ ने लाइट दे दी। इस बीच हैरिंग्टनगंज स्टेशन को छोड़कर बिजली कर्मी फरार हो गए है।

भीतरघात से भाजपा को हो सकता है नुकसान

– कई जगह विपक्ष को नहीं मिले उम्मीदवार, अपने ठोक रहे ताल

अमिट रेखा – अजय तिवारी

नेबुआ नौरंगिया – कुशीनगर। जनपद के नेबुआ नौरंगिया ब्लॉक में सपा, बसपा व कांग्रेस की तरफ से कोई दावेदार नहीं था। यहां भी तीनों उम्मीदवार भाजपा से टिकट मांग रहे थे। अंतिम वक्त पर टिकट शेषनाथ यादव को मिला तो बाकी दो उम्मीदवार बागी हो गए। चर्चा है कि यहां सत्ता पक्ष के लोगों ने ही बागियों की मदद की। नतीजा हुआ कि देर रात पर्चा गायब होने को लेकर हंगामा हुआ। बृहस्पतिवार को यहां से भाजपा उम्मीदवार समेत चार लोगों ने नामांकन दाखिल कर दिया। परिणाम क्या होगा यह तो शनिवार को तय होगा लेकिन अपनों की बगावत ने यहां भी भाजपा उम्मीदवार की धड़कन बढ़ा दी है। यही हालत दुदही ब्लॉक का है। यहां तो पार्टी पहले से ही गुटबाजी की शिकार है। काफी प्रयास के बाद भी मामला नहीं सुलझा तो किसी को उम्मीदवार ही घोषित नहीं किया गया। नतीजा यह रहा कि बृहस्पतिवार को यहां भी भाजपा ही दोनों हिस्से में नजर आई। दोनों उम्मीदवारों ने भाजपा का झंडा उठा रखा था। समर्थकों में भी दोनों तरफ भाजपा के नेता नजर आ रहे थे।

'सांसद पुत्र को घेरने में जुटा विपक्ष'

सांसद विजय कुमार दुबे के पुत्र शशांक दूबे पिछली बार नेबुआ नौरंगिया से ब्लॉक प्रमुख चुने गए थे लेकिन इस बार वह खड्डा से दावेदारी कर रहे हैं। उम्मीद तो यहां निर्विरोध निर्वाचन का था लेकिन विपक्ष की रणनीति कारगर रही और सांसद पुत्र के खिलाफ सपा ने अपना उम्मीदवार उतार ही दिया। सपा से यहां भगवान दयाल गुप्ता उम्मीदवार हैं जिनके समर्थन में पूर्व सांसद बालेश्वर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष इलियास अंसारी, नथुनी कुशवाहा आदि पहुंचे हुए थे। सांसद पुत्र को घेरकर सपा अपना मजबूती दर्शाना चाहती है।

जनपद कुशीनगर में क्षेत्र पंचायत प्रमुख हेतु निर्वाचन में उम्मीदवारी वापस लेने वाले प्रत्याशी इस प्रकार हैं

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर

कसया – रोहित

बिशुनपुरा – विक्रमा यादव

नेबुआ नौरंगिया – जूही, शकुंतला एवं विनीता

निर्विरोध प्रत्याशी इस प्रकार हैंरू–

फाजिलनगर – उर्मिला देवी

तमकुही – अनुराधा राय

सेवरही–अनूप तिवारी

मोतीचक – अर्चना सिंह

सुकरौली – रंजना देवी

हाटा – आरजू राव

कप्तानगंज – विशाल सिंह

नेबुआ नौरंगिया– विंदु

प्रत्याशी जिनके बीच काँटे की टक्कर होनी हैरू–

रामकोला – आशुतोष और दिग्विजय

दुदही – माला देवी और रामावती देवी

पडरौना – आशुतोष और दुलारी देवी

खड्डा – शशांक दुबे एवं भगवान दयाल

कसया– अंजू देवी, रीना यादव

विशुनपुरा– वीरेंद्र कुमार यादव, विंध्यवासिनी श्रीवास्तव

तरयासुजान थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

– 112 नंबर पुलिस की सूचना पर तरया सुजान पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा

अमिट रेखा – कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज – कुशीनगर। मिली जानकारी के अनुसार तरया सुजान थाना क्षेत्र के ग्राम गडरिया चिंतामन में 60 वर्षीय रामायन पुत्र खाकी चंद व्यक्ति के रहस्यमय परिस्थितियों में गुरुवार को मौत हो गई ।उसकी लाश घुटने भर पानी में मिली सुबह लड़के शुक्रवार को उस रास्ते से गुजर रहे थे कि पानी में लाश को तैरते हुए देखा तथा शोर मचाया गांव के ही एक व्यक्ति 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी तत्काल पुलिस मौके पर पहुंचकर तरया सुजान थाना अध्यक्ष कपिलदेव चौधरी को घटना से अवगत कराया थानाध्यक्ष ने तत्काल एस एस आई रणजीत सिंह बघेल को मय फोर्स के साथ मौके पर भेजा पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को पानी से बाहर निकाला उसके उसके घरवालों से भी पूछताछ की घरवालों के बताने के अनुसार पैसे की लेनदेन में झगड़ा हुआ था इस बात को बताया। तरया सुजान थाने के एस एस आई रणजीत सिंह बघेल ने उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि लाश का पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो जाएगा उसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर लाश को पीएम रिपोर्ट के लिए भेज दिया है।

समस्त तहसीलों में दिनांक 10 जुलाई को लोक अदालत का आयोजन

– लोक अदालत के माध्यम से अभिवावक एवं वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का होगा निराकरण

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। जिला समाज कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक प्राधिकरण द्वारा माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के अन्तर्गत गठित प्रदेश के समस्त भरण–पोषण प्राधिकरणों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जा रही है। माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण नियमावली, 2014 के अन्तर्गत निर्धारित दायित्वों के क्रम में उक्त दिनांक को जनपद की समस्त तहसीलों में नियुक्त सुलह अधिकारी, उप जिलाधिकारी की उपस्थिति में प्राधिकरणो में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित किया जायेगा.जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी एवं समस्त सुलह अधिकारी से अपेक्षा की है कि अभिभावक एवं वरिष्ठ नागरिकों से प्राप्त होने वाली समस्याओं का निराकरणध्सुलह समझौता, दिनांक 10.07.2021 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में करना सुनिश्चित करे।

तमकुही राज तहसील में 10 जुलाई को लोक अदालत का आयोजन

– लोक अदालत के माध्यम से अभिवावक एवं वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का होगा निराकरण:सुलह अधिकारी

अमिटरेखा – कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज – कुशीनगर। जिले के तमकुही राज तहसील के सुलह अधिकारी व वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद पाठक ने बताया कि विधिक प्राधिकरण द्वारा दिनांक 10.07.2021 को माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के अन्तर्गत गठित प्रदेश के समस्त भरण–पोषण प्राधिकरणों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जा रही है। माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण नियमावली, 2014 के अन्तर्गत निर्धारित दायित्वों के क्रम में उक्त दिनांक को जनपद की समस्त तहसीलों में नियुक्त सुलह अधिकारी, उप जिलाधिकारी की उपस्थिति में प्राधिकरणो में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित किया जायेगा। उपजिलाधिकारी एवं सुलह अधिकारी तमकुही के देखरेख मे यह कार्यक्रम आयोजित है।सुलह अधिकारी अरविंद पाठक ने अपेक्षा की है कि अभिभावक एवं वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओ के निराकरण के लिए दिनांक.10–07–2021को तहसील पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराये।

राष्ट्रीय अवाहन पर 11 जुलाई को ब्लॉक मुख्यालयों का घेराव

– सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने जारी किया घोषणा पत्र

– सपा के सभी फ्रन्टलो के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता घेराव में होंगे शामिल

अमिटरेखा – कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज – कुशीनगर। मिली जानकारी के अनुसार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर ब्लाक प्रमुख के पर्चा दाखिला में की गई धांधली के विरोध में घेराव प्रदर्शन का कार्यक्रम 11 जुलाई 2021 को आहुति है जिसमें पार्टी के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य ,जिला पंचायत सदस्य सहित पार्टी के निवर्तमान विधायक, क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष वर्तमान अध्यक्ष वर्तमान विधायक सभी कार्यकर्ता समय से उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान प्रदान करें, यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष तमकुही राज गोरख निषाद तथा विधानसभा प्रभारी मधुर श्याम राय ने संयुक्त रुप से प्रेस को दी है तथा पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से सभी पदाधिकारियों से सभी निवर्तमान विधायक गण से कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने का अनुरोध किया है।

हत्याकाण्ड से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्ता गिरफ्तार

अमिट रेखा प्रतापगढ । थानाक्षेत्र सांगीपुर के ग्राम तारापुर में जमीनी विवाद में एक व्यक्ति मदार यादव उर्फ देवतादीन यादव उम्र करीब 90वर्ष नि0 तारापुर थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ की धारदार हथियार से गले पर वार कर हत्या कर दी गई थी। इस सम्बन्ध में वादी की तहरीर पर थाना सांगीपुर पर मु0अ0सं0 153ध 21 धारा 147, 302, 34 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक सांगीपुर तुषार दत्त त्यागी मय हमराह द्वारा थानाक्षेत्र के तारापुर से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 अभियुक्ताओं 01. केवला पत्नी जगन्नाथ कोरी 2. सीता पत्नी बनवारी निवासीगण ग्राम तारापुर थाना सांगीपुर प्रतापगढ़ को तारापुर से गिरफ्तार किया गया।

ट्रक चालक को पुरानी रंजिश में मारा चाकू, सीएचसी में चल रहा इलाज

अमिट रेखा प्रतापगढ व्यूरो। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रसूलहा गांव मे ट्रक चालक को भतीजे ने मारी चाकू सीएचसी में चल रहा इलाज। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रसुलहा गांव निवासी अली रजा पुत्र मुंशी रजा का ट्रक चलाता है वह बृहस्पतिवार को अपनी ट्रक लेकर आया और एक पेट्रोल पंप पर खड़ी करके घर चला आया द्य इस दौरान वह बाजार में कुछ खरीदारी करने गया हुआ था जहां से रात में 9 बजे वापस आ रहा था।

पीड़ित का आरोप है कि उसके ही परिवार के दिनेश पुत्र छोटू से उसकी पुरानी रंजिश चली आ रही थी द्य इसी पुरानी रंजिश में उसे गालियां दे रहे थे द्य उसने जब विरोध किया तो दोनों पक्ष आमने–सामने हो गए इस दौरान आरोपी दिनेश ने उस पर चाकू से हमला कर दिया इससे उसके हाथ में गहरी चोट आई है उसे इलाज के लिए ले जाया गया जहां से पीड़ित पट्टी कोतवाली आकर पुलिस को नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है द्य पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

निर्वाचन 2021 के फलस्वरूप नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष एवं नवनिर्वाचित सदस्य का शपथ ग्रहण दिनांक 12.07.2021 को

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर । जिला पंचायत, कुशीनगर की प्रथम बैठक दिनांक 12.07.2021 को ही अपरान्ह कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी उन्होने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार, जिला पंचायत की समितियों के गठन पर विचार, शिक्षा समिति, निर्माण कार्य समिति, स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति, प्रशासनिक समिति, जल प्रबन्धन समिति तथा अन्य विषय पर मा0 अध्यक्ष की अनुमति से उन्होने नवनिर्वाचित सदस्य जिला पंचायत से अपेक्षा की है कि दिनांक 12.07.2021 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रट सभागार में अपने खाते के पासबुक की पठनीय छायाप्रति तथा 01 अदद पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो के साथ उपस्थित होकर शपथ ग्रहण करने तत्पश्चात जिला पंचायत की प्रथम बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करे।

कोविड की नियमित समीक्षा बैठक जिलाधिकारी कार्यालय में हुई सम्पन्न

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। बैठक की अध्यक्षता जिला अधिकारी एस0 राजलिंगम ने की ।उक्त बैठक में सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका नगर पंचायत को सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मेडिकल इक्विपमेंट्स की सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। विदित हो कि कोविड संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए तथा तीसरी लहर की चुनौती का सामना करने के लिए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सभी प्रकार की चिकित्सकीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इस क्रम में जनपद कुशीनगर में भी सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को इन चिकित्सकीय सुविधाओं हेतु संबंधित नगरपालिकाध्नगर पंचायत के सौजन्य से आवश्यक फंड मुहैया करवाने का निर्देश दिया गया। बैठक में कोविड मामले की भी समीक्षा हुई। आज कोविड का कोई मामला जनपद में नहीं आया हैं । ए0 ई0 एस0 और जे0 ई0 का भी कोई नया मामला सामने नहीं आया है। टीकाकरण की प्रगति की भी समीक्षा हुई ।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुज मलिक, अपर जिलाधिकारी विंध्यवासिनी राय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेन्द्र गुप्ता समेत स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे।

सड़क पर मांस टुकड़े को देखकर हैरत में पड़े ग्रामीण

अमिट रेखा प्रतापगढ व्यूरो। पट्टी कोतवाली कस्बे के पुरानी पट्टी के करीब बाइक सवार मवेशी से टकराई जिससे बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया दुर्घटना होते ग्रामीण मौके पर मदद के लिए पहुंचे। लोगो ने जैसे हे युवक को बाइक समेत उठाया , बाइक पर लगे बैंग से मांस के टुकड़े गिरने लगे इतने में ग्रामीणों के बीच कानाफूसी होते देख घायल युवक बाइक लेकर भाग निकला भागने से बाइक पर लदे बैग से मांस लोथोड़े सड़क पर फैल गये धीरे धीरे सड़क पर ग्रामीणो की भीड जमा होने लगी, सूचना पर पहुंची पुलिस मांस एकत्रित कर कोतवाली ले आई चर्चा है कि मांस गोवंश का तो नहीं था ,पुलिस गोवंश के मांस से इनकार रही है, पुलिस का कहना कि मांस के टुकड़े को जांच के लिए भेजा जाएगा जिससे यह अस्पष्ट हो सकेगा की मांस किस मवेशी का है। शासन से प्रतिबंधित होने के बाद आखिरकार कहां कट रहे हैं गोवंश जिससे पुलिस अभी भी खबर है या पुलिस जानबूझकर नहीं कर रही है कार्यवाही यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग पाँच पशु झुलस कर मरे

अमिट रेखा – मनीष तिवारी

पिपराघाट – कुशीनगर। जनपद के सेवरही विकास खंड के दोमाठ ग्राम सभा में एक व्यक्ति के घर मे बने छप्पर के ऊपर से गुजर रहे । विद्युत केबिल में शॉर्टसर्किट होने से छप्पर में आग लग गई। आग लगने से छप्पर के नीचे बंधे कई पशु बुरी तरह झुलस गए । जिसमें एक गाय का बछड़ा,चार बकरी जलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घर में रखा अन्य सामान भी जलकर राख हो गया। लोगों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। दोमाठ के निवासी शंभू निषाद ने अपने घर मे पशुओं की छाया के लिए छप्पर डाला हुआ है। उक्त छप्पर के ऊपर से एक विद्युत केबिल गुजर रहा है। बृहस्पतिवार को रात्रि 1 बजे छप्पर के ऊपर से गुजर रहे केबिल में शॉर्टसर्किट होने से छप्पर में आग लग गयी द्य आग ने कुछ ही देर में भयंकर रूप धारण कर लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।छप्पर के नीचे बंधे पशुओं को भी आग ने अपनी चपेट में ले लिया।आग की चपेट में आने से छप्पर के नीचे बंधे एक गाय का बछड़ा, चार बकरी बुरी तरह झुलस गए द्य आग की लपटें उठती देख पड़ोसी मौके पर जमा हो गए और शंभू निषाद भी परिवार सहित घर आ गया और आग बुझाने में जुट गए। किन्तु आग भयंकर रूप धारण कर चुकी थी।जिसके चलते छप्पर के नीचे बंधी एक गाय का बछड़ा और 4 बकरी की बुरी तरह जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई। कई घण्टों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने अपने,अपने घरों से पानी डालकर आग पर काबू पाया। किन्तु तब तक पशुओं की मौत हो चुकी थी द्य पीड़ित शंभू निषाद के परिवार का रो रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पीड़ित शंभू निषाद को मुआवजा दिए जाने की मांग की है। चार बकरा और यह गाय का बछड़ा के लिए ग्रामीणों के द्वारा मुआवजे की मांग होने लगी द्य मौके पर बिजली विभाग के जेई और हल्का लेखपाल से बात हुई है द्य हर सम्भव मदद करने को भरोसा दिये द्य मौके पर उपस्थित कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव विनोद पासवान,वर्तमान प्रधान अख्तर अंसारी,विजय चौहान, वअमन वर्मा,केदार साहनी,वशीर अंसारी,जंगल लड्डू अली,मोती भागवत निषाद तमाम लोग मौके पर उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत बभनौली मे सडक पर मिट्टी भराई का कार्य मे अनियमितता एवं धांधली करने का आरोप

– ग्रामीणों की शिकायत पर बीडीओ ने किया जांच

अमिट रेखा – रामाशंकर सिंह

कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के विकास खण्ड तमकुहीराज के क्षेत्र के ग्राम पंचायत बभनौली के टोला अमवा खुर्द मे मनरेगा योजना के अन्तर्गत सडक पर मिट्टी भराई का कार्य हो रहा था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने तमकुहीराज बीडीओ रामगोपाल शर्मा से किया गया ।इस शिकायत को बीडीओ ने गम्भीरता से लेते हुए मौके पर पहुंच कर स्थलीय जांच किया जिसमे पाया कि मस्टरोल मे फर्जी तरीके से 55 मजदूरों के नाम अंकित कर सरकारी धन का बंदरबाट किया गया है । बताते चलें कि ग्राम पंचायत बभनौली के टोला अमवा खुर्द मे मनरेगा योजना के अन्तर्गत रामअशीष के खेत से सन्तोष के खेत तक सडक पर मिट्टी भराई का कार्य हो रहा था। सनद रहे कि 55 लोगों के नाम बीते 19 जून से लेकर 2 जुलाई तक मस्टरोल निकला है लेकिन अभिलेख के अनुसार 19जुलाई से मिट्टी भराई का कार्य हो रहा है ।उल्लेखनीय मे जांच अधिकारी ने पाया कि जो कार्य हुआ है उसमें 25 मजदूर ही लगे है इस आधार पर उन्होंने 30 फर्जी मजदूरों के भुगतान पर रोक लगा दिया गया है।

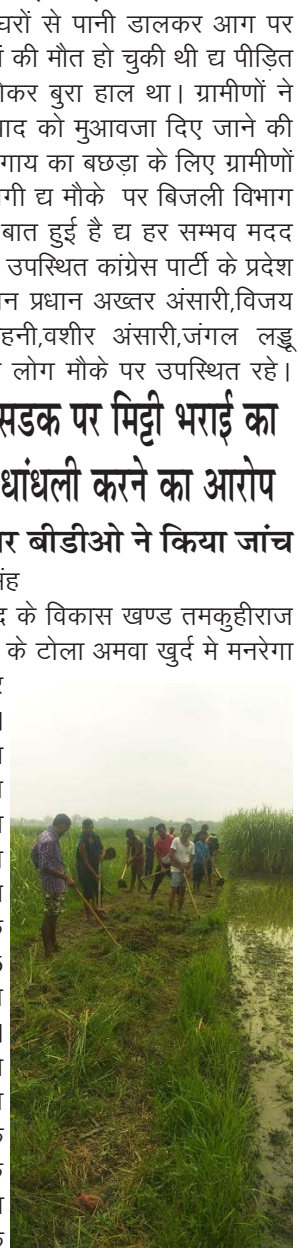

रेलवे लाइन के किनारे मिला युवक का शव पत्नी ने जताया हत्या की आशंका

सुनील कुमार पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। महराजगंज जनपद के फरेंदा थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे खून से लथपथ एक व्यक्ति का शव मिला है। उसके शरीर पर कई गंभीर चोटों के कई निशान हैं। परिजनों ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या की आशंका जताई है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। फरेंदा थाना क्षेत्र के बनकटी टोला के रहने वाले रिंकू कनौजिया गुरुवार की रात किसी काम से घर से निकले थे। काफी देर बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचे। तो परिजनों ने पड़ोसियों के सहयोग से उनकी खोजबीन शुरू कर दी लेकिन कोई पता नहीं चला। वही आज शुक्रवार की सुबह खून से लथपथ उसका शव गांव के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा मिला। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के कई निशान थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। घटनास्थल पर पहुंचे एस.पी. प्रदीप गुप्ता एवं सी.ओ. फरेंन्दा सुनील दत्त दुबे ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सड़क की मांग को लेकर गरजे ग्रामीण, सुनाई खरी–खरी!

– परासखांड़ में ग्रामीणों का धरना छठवें दिन भी जारी
– रहा, मांगें पूरी नहीं होगी तो होगा व्यापक जन आंदोलन– सुरेश चंद–

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। धरने पर पहुंचे दर्जनों गांव के ग्रामीण, जोरदार तरीके से उठाई मांग, परासखांड़ में धरने को संबोधित करते सुरेश चंद साहनी एवं उपस्थित ग्रामीण, सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा परासखांड़ के भटोलिया कुटी पर जनहित संघर्ष समिति के तत्वावधान में चार सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरनाध्प्रदर्शन शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने जिला प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगा सभी चारों समस्याओं के निस्तारण के लिए जोरदार मांग उठाई। धरना को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य सुरेश चंद साहनी ने कहा कि सड़क के अभाव में केवलापुर खुर्द एवं परासखांड़ के लोग नारकीय जीवन जीते हैं, लेकिन जिले के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि थोड़ा भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक चारों मांगें पूरी नहीं हो जाएंगी, तब तक यह आंदोलन चलेगा। धरने के नेतृत्व कर रहे जनहित संघर्ष समिति के अध्यक्ष रवीन्द्र जैन ने कहा कि क्षेत्र की जनता छह दिनों से धरना दे रही है, लेकिन जिला प्रशासन के कान में जूं नहीं रेंग रहा है। केवलापुर खुर्द से चट्टा टोला से झुंगवा चौराहे तक जाने वाली सड़क कच्ची एवं गड्ढायुक्त है। केवलापुर खुर्द से परासखांड़ (जोगा टोला) की कच्ची सड़क से स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि चानकी घाट पुल पर जाने वाली सड़क में 20 मीटर जमीन वन विभाग की पड़ रही है। वन विभाग द्वारा सड़क निर्माण को रोक दिया गया है। सड़क न बनने से नौतनवा–सदर ब्लाक के सैकड़ों गांव के लोगों का आवागमन बाधित हो जाएगा। सड़क निर्माण के लिए वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया जाए। बागापार टोला कोदईपुर से विजयपुर तक के सड़क निर्माण में भारी शिथिलता एवं लापरवाही बरती जा रही है। निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराए जाएं। उन्होंने कहा कि जब तक सभी मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने को ओमप्रकाश मौर्य, राजू सिंह, रामकेवल निषाद ने भी संबोधित किया। धरने के संचालन हरीश आर्य ने किया। इस दौरान विजय यादव, अंगद चौहान, उपेंद्र कुमार, उमेश पासवान, राजकुमार राय, गणेश चौहान, रामबचन चौहान, नरेंद्र कुमार, सुभाष चौरसिया, संतोष यादव, रमेश साहनी, अशोक वर्मा, सत्यजीत, मोहसिन अहमद, रामाज्ञा, मुराली दास, सीताराम यादव, विशुन वर्मा, राहुल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

राज्यमंत्री से इंटरसिटी ठहराव व रोडवेज बस की जगी उम्मीद

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। जिले से छरू बार के सांसद पंकज चौधरी को कैबिनेट राज्य मंत्री की कुर्सी मिलते ही क्षेत्र के लोगों में उम्मीद की एक आश जाग उठी है।भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का कार्य किया है जनता के लिए सड़कें बिजली पानी शौचालय आवास मुहैया कराने का कार्य किया हैं। वर्तमान में दर्जा प्राप्त नगर पंचायत बृजमनगंज काफी पुराना कस्बा घनी आबादी नेपाल बार्डर एवं सिद्धार्थनगर जिले से सटा होने के बावजूद आज भी पिछडा हैं।गोरखपुर गोंडा होते हुए बादशाह नगर लखनऊ तक चलने वाली गाड़ी संख्या 05069 इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 05009 गोमती एक्सप्रेस का ठहराव बृजमनगंज रेलवे स्टेशन के लिए क्षेत्र की जनता बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। महाराजगंज जिले के अंतिम छोर पर स्थित बृजमनगंज रेलवे स्टेशन जो सिद्धार्थनगर एवं नेपाल रोड से सटा हुआ है जहां से काफी संख्या में यात्रियों का आना जाना गोरखपुर लखनऊ के लिए होता रहा है इस कोविड महामारी में बीमार ब्यक्तियो को लखनऊ तक ईलाज कराने जाने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है लॉकडाउन के पूर्व क्षेत्र के विधायक बजरंग बहादुर सिंह के प्रयास से इंटरसिटी रुक रही थी यात्रियों की सुविधा को देखते हुए लॉकडाउन में कुछ ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया गया है वर्तमान समय में इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं गोमती एक्सप्रेस गोरखपुर से चलकर सिद्धार्थ नगर होते हुए लखनऊ तक चल रही है परंतु दोनों का ठहराव बृजमनगंज रेलवे स्टेशन पर नहीं होने से यहां के यात्रीगण काफी परेशान है केवल एक पैसेंजर ट्रेन गोरखपुर से गोंडा के बीच चल रही है जिसका टाइमिंग सही नहीं होने से यात्रियों को काफी असुविधा हो रही है एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव बंद होने से रेलवे स्टेशन के आसपास के छोटे छोटे दुकानदारों की स्थिति दयनीय हो गई है रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है इसके अलावा आज भी बृजमनगंज से जिला मुख्यालय महराजगंज, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर जाने के लिए प्राइवेट साधन एवं डग्गामार वाहन का इंतजार करना पड़ता है एवं मनमाना किराया देना पडता हैं। पिछले तीस वर्षो से क्षेत्र के लोग इस दंश को झेल रहे हैं। क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से छरू बार सांसद बने एवं जिला पंचायत अध्यक्ष लगातार संभाल रहे पंकज चौधरी को कैबिनेट राज्य मंत्री का ओहदा मिलने पर बृजमनगंज क्षेत्र की जनता में एक उम्मीद की आश जगी हैं भावी सभासद प्रत्याशी जगदम्बा जायसवाल ने बताया कि हम खबर के माध्यम निवेदन करते हैं कि केंद्र व राज्य मे सरकार के साथ आप कैबिनेट राज्य मंत्री बन जिले की शोभा बढा रहे हैं आप चाहे तो कुछ भी असंभव नहीं अन्यथा हम सभी लोग रेलवे जीएम को ज्ञापन देकर ठहराव की मांग करेंगे।कस्बा निवासी जनप्रतिनिधि। दिलीप चौधरी गौरव जयसवाल जनप्रतिनिधि शशिकांत जायसवाल,जनप्रतिनिधि विनोद जयसवाल अरविंद गुप्ता विमल जायसवाल सुनील जायसवाल विवेक कसौधान,ब्यापार मंडल अध्यक्ष किशन जयसवाल, रामनरायन गुप्ता, सिद्धेश्वर चौरसिया, पंचम चौरसिया, अजय चौरसिया, पवन मोदनवाल, गौतम गौड़, राहुल यादव, महेश चौरसिया आदि लोगों ने मांग की।

प्रमुख पद के लिये भाजपा एवं सपा प्रत्याशी ने किया नामांकन

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। नौतनवा ब्लाक मुख्यालय पर गुरुवार को सपा समर्थित उम्मीदवार राधारमण चौधरी पूर्व विधायक मुन्ना सिंह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। जबकि भाजपा प्रत्याशी राकेश मद्देशिया ने भाजपा के वरिष्ठ नेता समीर त्रिपाठी, बबलू सिह, प्रदीप सिंह, नन्हे सिह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया।नामांकन पत्र दाखिला के दौरान सपा एवं भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था में काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। नामांकन के दौरान स्थिति की जायजा लेने जिलाधिकारी डा. उज्जवल कुमार और एसपी प्रदीप गुप्ता पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों ने दिशा निर्देश दिया। सुरक्षा व्यवस्था में तीन थानों की पुलिस नौतनवा, सोनौली और परसामलिक के साथ साथ पीएसी के जवान भी रहे मौजूद।इस दौरान उपजिलाधिकारी नौतनवां राम सजीवन मौर्य, क्षेत्राधिकारी नौतनवा कोमल प्रसाद मिश्र, बीडीओ नौतनवा डाक्टर सुशांत सिह, एडीओ पंचायत मनराज प्रसाद, एपीओ सुनील तिवारी, थानाध्यक्ष नौतनवा राजेश पान्डेय, सोनौली कोतवाल दिनेश तिवारी, एसआई गौरव यादव सहित काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। इस सन्दर्भ में उपजिलाधिकारी नौतनवा रामसजीवन मौर्या ने बताया कि सभी पर्चे जांच में बैध पाए गए हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। जिलाधिकारी उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष–2021 के चुनाव हेतु मतदान व मतगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी ए.आर.ओ एवं पीठासीन अधिकारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से परियोजना निदेशक राजकरन पाल ने प्रशिक्षित किया। क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष हेतु मतदान और मतगणना 10 जुलाई, 2021 को संपन्न होगा। सिसवा, पनियरा, परतावल तथा फरेंदा में ब्लॉक प्रमुखों के निर्विरोध निर्वाचन के कारण यहाँ मतदान नहीं होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ एवं पारदर्शी चुनाव सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए चुनाव प्रक्रिया में सभी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें। मतदान के दौरान मतदाता के पहचान को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। जिलाधिकारी ने कहा शांतिपूर्ण चुनाव को सुनिश्चित करें और कानून व व्यवस्था की स्थिति खराब न होने पाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सी.डी.ओ गौरव सिंह सोगरवाल, ए.डी.एम. कुंज बिहारी अग्रवाल, अपर उपजिलाधिकारी अविनाश कुमार, सभी उपजिलाधिकारी एवं चुनाव से संबंधित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की कार्यवाही में लगभग 140 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद एंव लगभग 1000 किग्रा लहन नष्ट

अमिट रेखा गोरखपुर। जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर जनपद गोरखपुर में आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत 'आबकारी निरीक्षक सेक्टर 01 अरविंद कुमार मिश्रा, आबकारी निरीक्षक सेक्टर 02 राकेश कुमार त्रिपाठी एंव आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 05 सहजनवां अरविंद सिंह' के साथ अवैध ध्कच्ची शराब के विभिन्न संदिग्ध स्थलों पर दी जा रही दविश के क्रम में आज 'दिनाँक 09ध्07ध्21' को जनपद 'गोरखपुर' के 'थाना खजनी' अन्तर्गत बसन्तपुर भीटी स्थित सी.बी.एस. मार्का ईट भट्ठा, 'थाना राजघाट' अन्तर्गत चकरा अव्वल एंव हर्बट बन्धा 'थाना शाहपुर' अन्तर्गत पादरी बाजार बधिक टोला एंव मोहनापुर में दबिशध्तलाशी की कार्यवाही की गयी ।

कुल लगभग '140 लीटर अवैध कच्ची शराब' बरामद कर लगभग 1000 किग्रा लहन नष्ट किया गया।

निम्नलिखित के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया..

1–गुड्डी पत्नी सोनू

2–अनिता पत्नी अज्ञात

3–धर्मशीला पत्नी मधुसूदन

'कार्यवाही में शामिल आबकारी सिपाही'

शिवेंद्र तिवारी, साकेत कुमार राय, ऋतु प्रकाश चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, मनोज दिक्षित, अमरेंद्र सिंह, पंकज चौधरी,आशीष मिश्रा, श्यामबिहारी, फजल अली शामिल रहे।

मिलावटी दूध की आपुर्ति धड़ल्ले से दुधिया द्वारा घरों वे दुकानों पर दूध के नाम पर बेचते सफेद जहर

अमिट रेखा लार देवरिया। शहर व देहात क्षेत्रो में मिलावटी दूध की बिक्री जोरों पर है परंतु स्वास्थ्य विभाग इस मामले में चुप बैठा है। गर्मी के मौसम के कारण दूध की बढ़ी मांग के बाद शहर व आस पास के इलाको में मिलावटी व नकली दूध की बिक्री ने जोर पकड़ लिया होता है।घरों में दूध की सप्लाई करने वाले दुधियों द्वारा पानी की मिलावट के अलावा बाजार में चाय की दुकानों पर सिंथैटिक दूध की सप्लाई हमेशा चर्चा में रहती हैं। दूधिया दूध के नाम पर लोगो को सफेद जहर परोसा जाता हैं!लेकिन सम्भन्धित विभाग या तो कुमकर्ण की नींद सोया हुआ हैं या सब कुछ जानकर अनजान बन कर अवैध उगाही में लगा हुआ है!तो वही मिलावटखोरी रोकने के लिए सरकार ने सख्त से सख्त कानून बनाया हुआ हैं। लेकिन खबरें या शिकायत आने पर कुछ दिन अभियान चलाया जाता हैं लेकिन यह गैर कानूनी काम व मिलावट खोरी बन्द नही होती बल्कि यह कार्य और जोरो पर चलने लगा इससे यह साबित होता हैं कि कानून का सिकंजा मिलावट खोरो के शिकंजे से छोटा हैं। जिससे उन लोगो के अन्दर डर नाम की कोई चीज नही रह गयी हैं। त्योहार व शादियों की आहट होते ही मिलावट खोरो के हौसले बुलन्द हो जाते हैं।शहर के चारो कोनो से दुधिया दूध लेकर बिक्री करने आते हैं इन अनगिनत दूधियाओ में कोई ऐसा दूधिया नही हैं जो कि प्योर शुद्ध दूध लाता हो सब एक से बढकर एक मिलावटी दूध की बिक्री करके जाते हैं।यहा तक कि प्रसाशनिक अधिकारी कर्मचारियो को भी यही दूधिया मिलावटी दूध देकर जाते हैं तो वह लोग भी बोल नही पाते हैं यदि किसी ने कहा तो तुरन्त बिना किसी डर दबाव के वह कहते हैं कि पिछला हिसाब मेरा अभी कर दो और कल से किसी और से दूध ले लेना ऐसी हालत में मिलावट खोरी के बिना दूध का मिलना मुश्किल होता हैं हालतों से मजबूरी में समझौता करना ही पडता हैं वहीं होटल व रेस्टोरेन्ट वालों को कोई भी नही पकडता हैं क्योंकि वह तो उनसे भी बडे मिलावट खोर होते हैं।कभी कभी तो देखा गया कि रास्ते में पडने वाली नहरो व नलो में भी दुधिया लोग अपनी मोटरसाइकिल व साईकिल खडी करके पानी मिलाते देखे गये हैं! यानी दूध में पानी नही पानी में दूध मिलाकर ग्राहको का जमकर शोषण किया जा रहा हैं।सूत्रो की माने तो अधिकारी त्यौहार पर इधर उधर छापा मारकर वाह वाही लूटने का काम करते हैं जबकि असलियत में सभी मिलावट खोरो से बहूत कुछ बंधा होता हैं!

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।

सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. – 9532989009

उप सम्पादक – के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव
मो- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com